



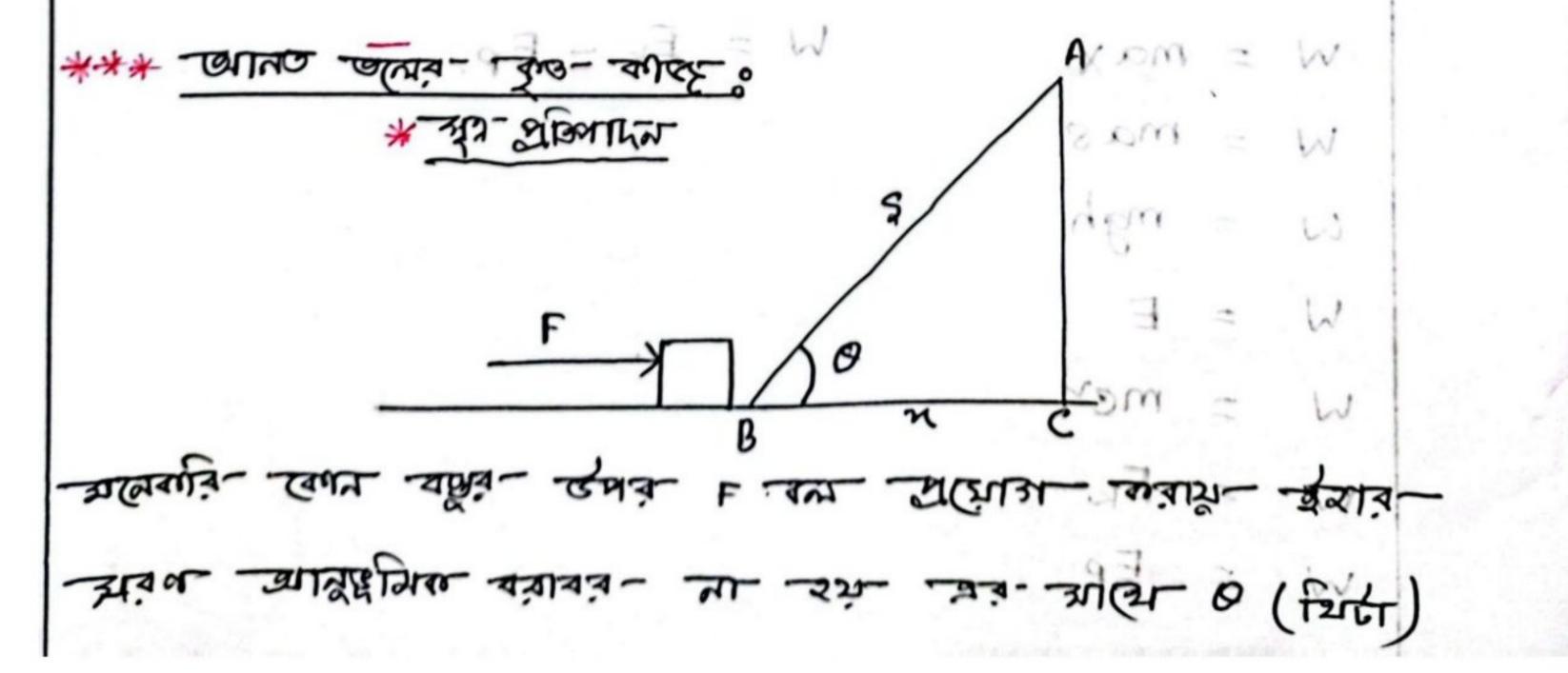


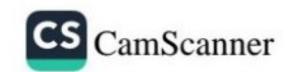


- जाकिश - त्याहिश कोता - क्याहिश -

क्षित्राहर कार्यः वर्ण अप्रति क्षित्र क्षित्र वर्णाः वर्णाः अप्रति स्थाना क्षित्र क्षित्र वर्णाः वर

Ex. त्मलाख न्या न्याका क्राया क्रिक न्याका न्याक न्याकिस न्यास न्याप्याक्ष न्याका न्याका न्याका न्या

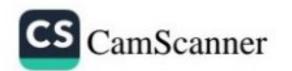




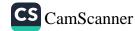




त्यात एडेम्प्र कर्न म विन्धूष्ट एमाध्याम । म विन्धुष्ट ता का क्रिम - क्षेत्रं प्रमी- अंदेश्य कड़िल्ट पेप्टि प्रमाधानी न्यहेद्ध काउउंग-1111- Caesula 48 = 2 BC= 06 7 081-E DESTURS LABC = 0 नगल्द्र- उपभानुजात्व- नगार्थ-अन्धन AABC उ@ - भार्च, COS LABC = BC AB EE NO PWO WAY : x = s coso ___ O 3 O उल्ल- नाई-. चात्रव छला। न्यु न्याक्ट, w= FS coso स्विक्ति न्याक्षिक हिल्हा च्यान न्याम न्याम क्या हिल चा क न्यामा क्र च्छ जा नेतर्ख्य करेप 6020 - हिंग अ- 1 वार्गा ८००० लगारिक उट्प ३८००० दम्प्रकेश उत् गाउं 6000 ल्यामाध्य उत्त scoso e्यामाध्य उत्ता * COSO स्वराक्षरा आंक स्थापश्च जा किर्द्य - कर्त्य । 0, < 0 < 300, — काष्य क्वरेव क्याह्य - वरिया 20, < Q < 180, DENU GOZO GOUBLE SIL 1 180° < 0 \$ 5400 Della 6020 coulder 351 270° < 0 < 360° -00017 , cos 0 en 18301 1231-1 SIM L BAC







व्यायान, मध्यता । मानाम न्यान म -360° <0 <-270° - GENT COS & MINERO 3251 - 5400 < 0 <- 1800 - BENY GOS O GAINIBUR 5521 - 180° < 0 < -30° DENY GOSO estheras 3521 - 00° < 0 < 0° - 0017 cos 0 earl 20 1 27.08.2023 *** ज्याय- वला क्र न्याव्ह DONAL THE C. 0500 S · - 2110- - 622, DG (1) Seile apple apple 2 अधिकार- क्या नक्षेर- क्येर- ह यण जिलाय क्यांम क्यांम न्यवंत कार्येद्वात्रस प्रधावंत पा ठिले दुपरी विपंत साकि < (आत्रा) खाम चंडभन्न स्व ऽ इत्ह आव्या गत्न म विम् चिन् ७ ७७ द्वामन च्यान नाम INGeney - Laska - wash win ACME A ABC 20 sin / BAC = sind







0 3 10 यह अयोक्डिल - उत् - नार्य-दियम ज्याव - उत्कर्षि w = Fssinox. -दमजाअ- अभाग्यंबिक के 22ind - अंच- माप्त त्याक्ष का -इत् प्याक्ष क्षामाक्ष्य किं की सुम्मां कर्षित श्रेप अंड- क्षेत्र । काजाके sind द्याष्ट्रक कर्ण हरागर त्याक्रक रत् प्रकार इल ८ sin ८ ट्रामाष्ट्रस इति। 21000, त्रिप्तिक किया कि त्रामिक किया कि विकास के विकास अंवर ज्याप्त्र - न्द्रभञ्ज । 0 = ,06500 ... 0 = 188-0° < ~ < 90° - 000 x 5 nd song ar - 2(4) 90 < x < 180° -00212 sin x esanger 200 1 180° < 0 < 270 sour sind extenser 2(21 270° < L < 360° of < - 270° - DENT SIND GAMBAR

-360° < < < 0 - 프로지보 Sin < 영 에 시시하고 되어 - 360° < < < - 570° - 프로지보 Sin < 에 에 에 시키하고 되어 - 186° < < < - 570° - 프로지보 Sin < 에 에 에 의 되어 되어 되어 되어 - 360° < < < - 570° - 프로지보 Sin < 에 에 에 의 전 전 1







Q. तानुभूच्यी यत प्रकार नार्ययीत का नार्था गाना ।

अक क्षित्र निष्णाम न्या न्या।

अक्ष क्षित्र निष्णाम न्या अवस्थाम न्यूष्ट्र अष्टिम क्षिम न्याव न

क्षुमूळी- चल्रून- प्रामा क्षिल काष- w रख:

W= FSICOSO, WATER OF THE MINE

TI. W = FS cosgo".

: w = 0 [: cos90° = 0]

: - व्यक्तिमें क्या - व्या - व्या । - व्यक्तिमें क्या - व्या - व्या ।

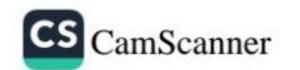
केंट्री अएमिट्रिक कांट्र कांट्र कांट्र कांट्र कांट्रिक कांट्र कांट्रिक कांट्र कांट्र

* खि: हा क्षेत्र - अक्षित्रम्याण क्रिया अ- *





ELEBER PIED STORE TO STORE THE WINDS अस्ताः काक कनान जामर्था नाजि नहाः। र्यशिक E त्यांचा क्षिया क्या रुके। निर्धिक यामे अभिक्र म सीविवि क्रियम् कंड्र कंड्र कंड्र MK2 -अद्युक्त - क्रिय - क्रिय (ग) में कारे - व अधि - अध्ये - काएको - ने क्या - कार्य व अधाय व अधाय व न्धांख्य । व्याक्रित्र- ख्राकान- रहिता लामान्त- - हान्यला सिल्सि न्यत्र लंग- यात्र- पट्टाक- न्यत् । यात्रिक न्यिति। कारा कारा कारा कारा नाक । कारा-<u>गिन्तिय आक्रि</u>। ण जाभ आक्र । (जात्यक आक्र । 1 प्रमुख आकृ M विषुष्ठ/खिष्ट आक्र- 1 LEDL LEID & LEVILL ा ज्यामामीयक आकर TETTING TOTTE m Tac 183 - 34/32 1 (ix) Bille will - File - File - Mreille Bille Bille ** विषयेष्ठियारिय - निया क्यां आख्या र कामि -क्या कथा - प्रमा - विधारोप्टरिक्ष () - महि किष्यांत्रप (गोशी व्याक्रि ।





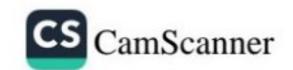


(1) प्रवाक्र्यिग्रेग्ने अश्वर न्याक्र न्याक्रे अव्याव व्यवक्राव क्रियाव -अर्डि - निपश्चाम- केवराय- क्रमा ग्राम- कार्क प्रवानप्रामि प्राम न्यल्याम विशेष क्रियाचा । हिंद निर्धा में क्रियाची ने क्रियाची Ex. चार्माभास, त्योवभाक, जनिम्ह, वार् मार्क, छिलायावमाना। Wike wer - reum - anten SHW ण खारविष्यताम् अपिक १ तम अपत्य आक्र न्याक न्याक न्याक न्याक वि लावे क्विक्षक नाके थर अख्या नाकि अख्या कि न्यक अख्या मार्ग अस्य अयवारेषितासी भाग्र विधा Ex. रक्षे अगुन्त क्या निर्देशक र्या के निर्देशक भ निरम्भाद्भि जाल नमाठी वर्षाम्य २००० २०० वर प्रांति भढ़ेल र्व। 1 EUM WELL (1) वख्र- अवधार, जाकाक, त्यक न्यावन नाव(१-कि आश- न्याक्र -माम- अकि -माम्यक न्यासिक वि मान्त्रिक -आक्रिक श्रकायर्ह्य ममित्र - स्थित र काख्य निका 1. न्डानि आहि-। 2. चिट्टर मार्कि / नेव्हिमित्रीक / न्यद्विक मार्क मार्क न्यांक माग्रः न्यांक्रोप न्यम् - कार्- यांक्रे- खेरा प्रा न्यामर्थ अर्थन न्याय- जाल्य न्यावियात्र- यह्या - स्टार्क Ek ना K.E ना न सामा प्रकार

-आक्रमाक्रेय - वकका उक् ग्रिम)

CS CamScanner

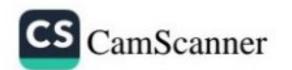
न्य मार्थिक मार्थिक विश्व क्रिक्ष हिंदि मिला क्रिक्स क We down the little little - Education - Education -The state of the s Finga Trime Toller of Toller A S MM = S न्यात्यावे - मान्एव - विकामि त्यात न्याप्त प खार्माद्वा नात्या व प्रविश -आवश्यमा कार्याक्षा देवें के प्रकालिया के कि कि प्रमाख्या में व्यक्ष STUT - DUE - DE WELLING LEVIEN - EUROLE du ofe -यक्रीतुर्व क्षावं- र वथा चारीय उला इंडावं- योग्ने केंड- व्याह्य इक ्री विषया मान्य निर्मात निर्मात नार्षात्र निर्मात त्याप निर्मात त्याप निर्मात त्याप निर्मात त्याप निर्मात त्याप - Gus an - Oleum Alle Els Elle Elle Lund - Colo TOP TOTAL TOTAL TENTER ENMOSTER TOTAL त्रथम, कालिय- वि मर्मा ममीकर्य २० नार्य; ~ = u+2as -41, as = - - u EK = m (* 2"). क्रेंक अधिक न्त्रकातानित्र - व्ययद्याता विश्वा त अंत- अपयः णि यह अ- विक्रिन वर्ष्ट



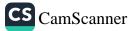




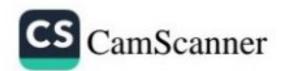
9. माठिमात्र- कल्याना - न्यामाध्या नश्व- नमावित ना न्याकर्ग- कर्य । क्य = आक्रमीय न्यक -कान- आविन- केरिय - प्राक्र न्याक अदि लाखा न्याविकाकि बला। काम - शिक्रमुके- Er किला - कार्णक, किला $E_{\kappa} = \frac{1}{2} m v^{2}$ ल्यानाष्ट्रक रक्षा रे न्यून न्यून न्यून न्यून न्यून न्यून न्यून स्विद्याः -अख्याक्र- कल्यायत् ल्याचाक्षका उत्न- नमास्- याः 2. विख्य माक्रि/चिशिमाक्रः लाग विख्या श्रीकाविक छावद्यात एथाक लामा - लायकामे का नायकापि - लाम ७ - कामाव- कामाव-न्यामर्थ ज्यार्थ न्याय निवद्य निविष्ठ निविष्ठ निविष्ठ निविष्ठ निविष्ठ Ep ना P.E वा W माना प्रकारा खिल्पा उद्या प्रविषयमाञ्चल अल्लाला लाता कर्या यार्था चाल्क मंद्र - विक्र / - जाल्क मंद्र - चित्र जाकि ांख्रिं प्राणक नंवल्य काछि । खाँएड - विक्व आका। -विक्र भाकि । जाकिकमं विक न्यान न्यान्तिका न्यू



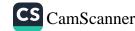




च्यां च्यां च्यां वर्ष का अत्र वामाना । THERE THE TOP OF THEFT DESTRICT THE SON THE काता नाम मुराह नामार नाम भागान नाम नामार नामार नामार 111111111111 1 10 ENE 19 ET अधिकार्य- ш किश्वी- विके किर्मा कि । किश्वामे- क्यापा उप्पा-न्यक्रीट कर्वक मार्क नाम्य कालिक निक्र में मार्थ नामिन नामिन नामिन नामिन च्यार्थि क्यार्कमंत्र विलय क्यां है है देखां . 2 102 124 (8) Jok E Emanie - Part - Tare (4) 16902 4 (8) JOHN DEED - EN OND - COLL ENDING FOURT TEP = mgh. - व्यर्थ - ज्याता - वर्ष्यं - निवस्य मानि नम देखान - देखान निस्प्रमीव न्यालगरा त्यास । लग लगत यष्ट्रक न्याक्शिक खरकात कर्क काष्ट्र काष्ट्रमांग- या काष्ट्रीस त्यापक क्या कार्याय - यात्राम् कार्य न्याय अवि नयक्ष भाग र्या - en man : face a most . Ep = mah. TI, Ep och. I'mgg g Tect eggan] -अन्माख किन हिल्ला हिल्ला निक्र माने निक्र माने निक्र माने वादिक अवह दुल्या -क्यादित स्विक्त अधिन नक्याव । जार्न अकर् मित्र न्यक्त न निवत्य आहे न्यन न्द्रश्यान न्यान निवंद्रभोता।







(22. मुश्चित्रेन विक्रि प्राप्त्र - न्याक्त्य एक ग्रेस विक्रियों अ

न्यका अभि - विष्य । त्याका - कार्यकाप्त - क

न्हिंथ- क्वा ।

प्रिक्य क्षित्र न्यास्य न्यास

Q3. त्रकार- यक्षत्र- निष्य - न्यात्र- निष्यात अगु-(6) रहश्च कारणा-

(३). नाया न्याहा नायात्र माया सामा त्याहा नात्र एकारा १००

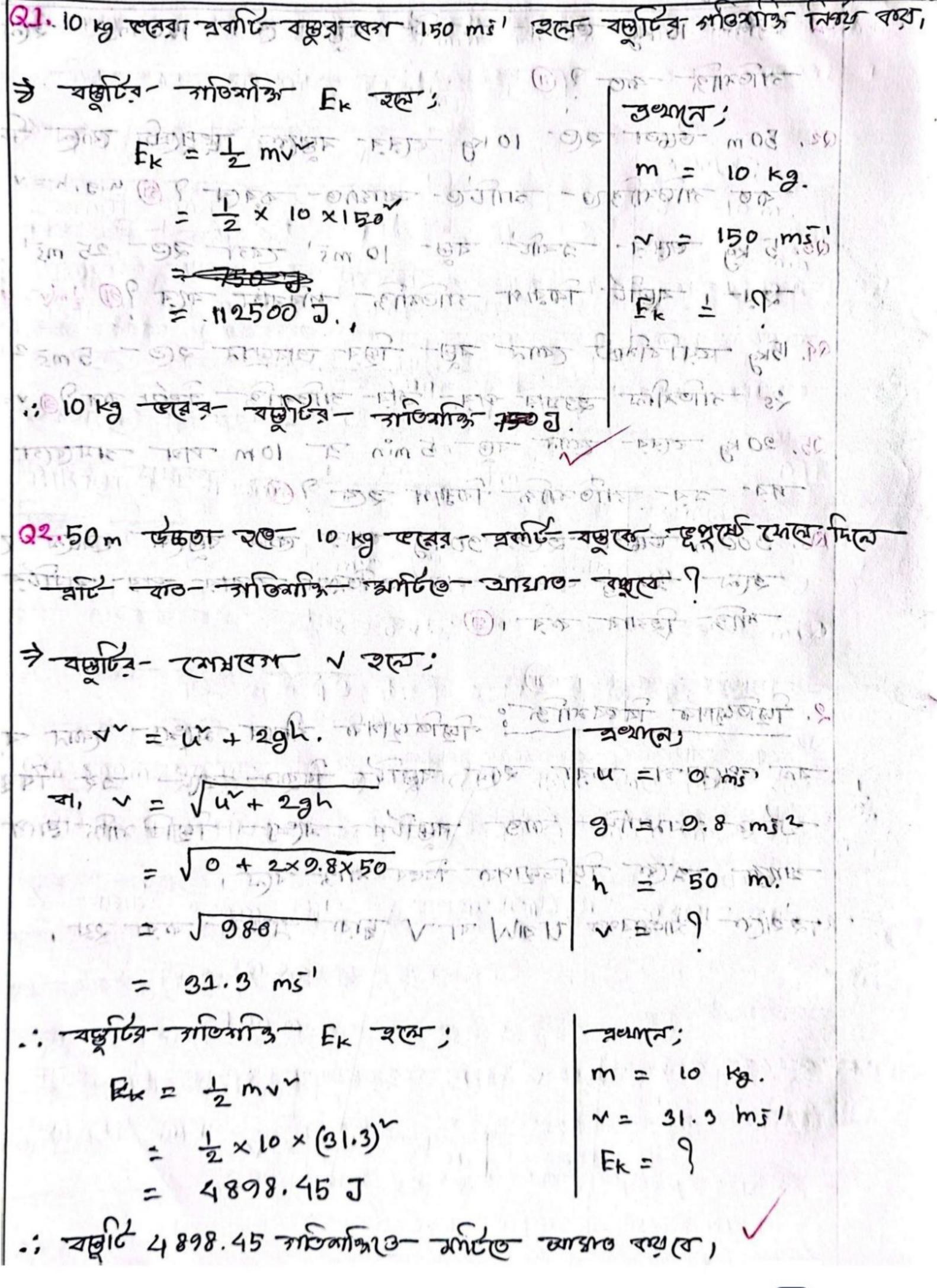
= क्षाम अवद्धाम ना न्याकृष्टि (श्राता वद्धार न्याकृष्टि विका न नाकृष्टि निष्- राख- काकृष्टि श्राता वद्धार न्याकृष्टि विका नाकृष्टि निष्- राख- व्याकृष्टि श्राता वद्धार निष्- प्रात्ता व्याकृष्टि निष्टि न्याकृष्टि निष्टि निष्ट





पा - अकट 10 kg ल्लान - जन्मे वर्षन लगा 150 ms न्या वर्षादेन -आठमात्र- नाम १ म 05° 20 ш त्रिका -56. 10 12 व्हिंड- यहिता हिर्म प्रिका स्थित स्थित स्थित - या आख्यायिक - न्याहिक - न्याहणक - न्याहण में हैं की पाडाम = 1 Q3. 5 kg read - 22/5- 28- 10 mg, Cash 56- 52 mg, Cash 218-इय- । च्यूनि चिकाश -आठमाक -मिववर्जन व्याच १० रेक्ट- म्राज्या 94. 15kg व्यानिकार व्याप यहा निवन वायद्याप २७ - 5 ms 2 खरल 28 साल्यामा - अत्र - अत्र - अत्र - अत्र न अविशाकि निर्मार क्रेस कि रूट १०० १० 05. 20 kg - stag- - stag- 5 min 3- 10 m - DIST - STAGEL GUIS-अंच- अंच- अग्रिक्शक- न्यक्षा अव ने 06. 300m एकड़ा उक 30 kg क्ट्रिय क्रिय क्रिय क्रिय किए के विकार कार्त अपि अपिया क्रिया क्रिया निव न्याक् निरमाय नक्त्रन । (छ)

কোনো বস্তুকে 900 m উপর থেকে ছেড়ে দেয়া হলে, ভূপৃষ্ঠ থেকে কত উচ্চতায় বস্তুটির বিভবশক্তি তার গতিশক্তির দ্বিগুণ হবে?





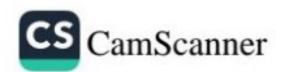




@3. 5 kg Trad = 240 - 10 ms, Que 50 - 52 m2 1 (434 818 35) न्यसित्र- स्थायंथ -आल्याक्ष्यं - कार्यव्यः न्द्रात्ते रे वर्षाद्य- आठगाक- - लाव्यक्त हिंदी Ek अलाः m oEk = = 8 1 m (w-u) 2 = = = 2 × 5 (25 - 10) u = 10 kg · v = 25 kg. = 5 × 525. = 1312.5 J. 15m 5 .: वर्षाद्य- तम 10 ms ' २७- 25 ms ' एक वर्षाद्य- आह्रियां अ 1312.5 J massige - scal 1 52 अधिकाषि -कार्य - कार्य विकास



Q5.20 kg ल्यून-एकाम चर्च 5 min न- 10 m नथा त्रमालिका हमान - नेड- - केर्ड- आक्याकि- एक्स्म किल- री ने निक्रिये- प्याम प्राप्त । अल्यो 0.011







06. 300m कि उक् 100 kg क्षिय प्रकार क्षिय किया विकार ने -राख्यम- क्षाता कि ने कारका अग्न मार्थिय - अंग्रेड - अंग्रे -विद्याद्य - अक्रिक्शका ; Ek किंदा ? Ek = \frac{1}{2} mv^. = \frac{1}{2} m(u" + 2gh) \frac{1}{2} \fra $h = 300 \times \frac{1}{3} \text{ m}$ $= \frac{1}{2} \text{ m} \cdot (0^{\gamma} + 29^{\gamma})$ $= \frac{1}{2} \text{ m} \cdot 29^{\gamma}$ = mgh. = mgh.= 00x9.8 x 100. = 88200 J. न जिल्ला नाम जालिया करान नाम नामि हि शक रिकार (300-100) -६४(य- कायताम - क्यादा क्षात् व्याद्र नावलव्याक्र mgh 17640000. अध्येक अध्य FK = 88 200 J = 264.4 × 103 (Ans



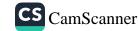




03. aux sala 300 m aux sala was let ale sala la sala न्यक द्रष्टकां वर्तित्र- व्यक्ष प्राक्ति अन्न अन्य अन्य अन्य रिवा = द्यांत- इत्रिक्ष ३७- र शिटांत- इत्राम- नियस्य प्राप्ति - अत्- आक्रामित निष्युम एता। - मिटि- अक्रिपान - देखांन ज्ञा - याद्मास- देखा - ४०- (२००- भ) खिटि on of the Fire End State End of the state of 1 7150 00000 1 m (ux + 2gh) - THER - NOTE - TO 12 M (0" + 29h) = mg (000-w)? 学一二年1







শ্বিতিস্থাপক বিভবশক্তি:

স্থিতিস্থাপক সীমার মধ্যে কোনো বস্তুর উপর বল প্রয়োগ করা হলে বস্তুটির বিকৃতি ঘটে। এই বিকৃতি ঘটাতে সম্পাদিত কাজ বস্তুটির মধ্যে স্থিতি শক্তিরূপে জমা থাকে, একে স্থিতিস্থাপক বিভবশক্তি বলে।

ইহাকে সাধারণত U বা W বা V দ্বারা প্রকাশ করা হয়। M.K.S পদ্ধতিতে এর একক J (জুল)।

শ্বিভিশ্বাপক বল:

শ্বিতিস্থাপক সীমার মধ্যে বাইরে থেকে বল প্রয়োগে কোনো বস্তুর আকার আকৃতির পরিবর্তন ঘটানোর পর, বল অপসারণ করলে যে বলের কারণে তা আবার পূর্বের আকার আকৃতি ফিরে পায় তাকে শ্বিতিস্থাপক বল বলে।

প্রত্যমনী বল:

স্প্রিং এর এক প্রান্ত কোনো দৃঢ় অবস্থানে আটকে রেখে অপর প্রান্তকে টেনে দৈর্ঘ্য বরাবর বিকৃত করলে স্থিতিস্থাপক ধর্মের দরুণ স্প্রিং এ প্রযুক্ত বলের সমান ও বিপরীতমুখী বল সৃষ্টি হয়। একে প্রত্যয়নী বল বলে। একে Fs দ্বারা প্রকাশ করা হয়।

শ্রিং এর বল ধ্রুবক:

শ্প্রিং এর একক দৈর্ঘ্য সংকোচন বা প্রসারণের জন্য প্রযুক্ত বলকেই শ্প্রিং এর বল ধ্রুবক বলা হয়। ইহাকে K দ্বারা প্রকাশ করা হয়। M.KS পদ্ধতিতে একক Jm⁻²

শ্রিং ধ্রুবক ও প্রত্যয়নী বলের সম্পর্ক:

স্প্রিং ধ্রুবক K এবং বল প্রয়োগে স্প্রিং এর সংকোচন বা প্রসারণ x মিটার হলে...

```
প্রতায়নী বল, F_s \propto -x [বলের দিক ও বস্তুর সরণের দিক বিপরীত হওয়ায় ঋণাত্মক চিহ্ন ব্যবহৃত হয়েছে] 
=> F_s = -k x [এথানে k সমানুপাতিক ধ্রুবক, যাকে স্প্রিং এর বল ধ্রুবক বলে। ]
```

প্রয়োগকৃত বল ও প্রত্যয়নী বলের সম্পর্ক:

প্রয়োগকৃত বল F এবং স্প্রিং এর প্রত্যয়নী বল F_s হলে, নিউটনের গতির তৃতীয় সুত্রানুযায়ী পাই—

 $F = -F_s$

প্রয়োগকৃত বল এবং স্প্রিং ধ্রুবকের মধ্যে সম্পর্ক:

```
আমরা জানি,

F = -Fs.....(1)

আবার,

F<sub>s</sub> = -kx....(2)

(1) ও (2) হতে পাই,

F = -(-kx)

=> F = kx
```

একক বল:

একক ভরের কোন বস্তুর উপর একক ত্বরণ সৃষ্টি করতে যে বল প্রযুক্ত হয় তাকে একক বল বলে।

ध्रुव वा श्रित वल:

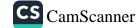
কোন বস্তুর উপর ক্রিয়াশীল বল তার ক্রিয়াকালে সর্বত্র ধ্রুব থাকলে অর্থাৎ বলের মান ও দিক অপরিবর্তিত থাকলে তাকে ধ্রুব বা স্থির বল বলে।

পরিবর্তনশীল বল:

কোন বস্তুর উপর ক্রিয়াশীল বল তার ক্রিয়াকালে সর্বত্র ধ্রুব না থাকলে অর্থাৎ বলের মান ও দিক অথবা যেকোনো একটির পরিবর্তন হলে তাকে পরিবর্তনশীল বল বলে।

স্প্রিং এর বৈশিষ্ট্য:

শ্পিং এর একটি বৈশিষ্ট্য হচ্ছে এতে ধ্রুব বল কাজ করে না। তাই শ্পিং এর শক্তি পরিমাপ করতে হলে পরিবর্তনশীল বল বা গড় বল দ্বারা পরিমাপ করতে হয়।



क्राम्य न्यान निक्य मिल्य मिल्यान न्यानिक्राक्ता यासिक्ति अकार निम्नार न्यं अस्टिक्स अस्तिया अर्दिया अर वास्त्र वा नियार्ग कर्ल यक देशक मिया नियार्गिक प्राथित । रि Gerson Line Pint Collins -रियेश- येश- क्षांत्र- क्षांत्र- येने ये येश- येश हे न्या है $\frac{F_{0}}{|F|} = F$ TATO F = 0+F $\overline{F} = \overline{F} = \overline{D} = \overline{D} = \overline{D}$ निर्माए- यत्र - मेळिकारो - ल अधि । यत्र प्राधिक आधिक अधिक अधिक अधिक अधिक न्यमान, । न्यान वार्षिता वार्षिता वार्षिता । वार्षिता । वार्षिता । निम्मर-म्बल माम । एकः $-\pi$, $\sqrt{-F}$ 一刻, v = 一至 x [i 不图 30] 一对, V=是FX——(11)

क्तायानं ' निकाशके - नपर 3, रिक्कं - नपर वैन्यकि - उष्मक् उठि कार्यः E = KX - 010 0 10 010 . 15 010 一声以下一声以外,一下一点一下。11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1000 · 11. 1 41, V = 1/2 KXY. र्रशर्म निर्मार न निर्मार निर् 03.09.2023 ्राह्म - निर्मा उपक्षी है जनका विमाधक निर्मिक चिल्नी को जार्मिट्य जन निरम किकि न्यावन नियमिक न्यायावन कथक निर्मायावन न्याय नमापिक इय अवि छोट्ड विख्य भागा वर्षों क्षाकि नियम - व्याजा - कथा करी । MK3 -अव्याख्य - अवाख्य volt (v) नागुत्स अर्ब्यात्रात्रात्रा वा नाम् नाम् नाम् - अव्यानिक्षित् - क्षित्र न्याक्ष्य न्यान न्यान न्यान -कार्याच्य्यम्। मार्थितं या विपाया पर्दा ने मेर्पित असी -क्षत्र अथ (क्राय्र ज्या) - क्षाया अथाति अथाति । क्षाय । क्षाय ज्यान्त्रय अव्यान्त्राम्यान्त्रम्यान्त्रम् ना न्यान्यान् नेत्रम्

अर्थ- वसें - अहि मार्थिक अभि व अर्थिका (x-1) 8 1 B -क्षेत्रक्री - क्षेत्रक्री - के प क्षेत्रकार्ग - प न्यमे क - क्षेत्रक - न्यके -प्यांद्रक । यद्वित्य अप्रशाह स्वर्षि अप्रेट प्रा रहा रहा निक त्थाक अ शिर्धात क्षिकाम B निकाल क्यार आहे- म निवासून ह्यार अधिय- अभाष अस्त । स्थित- अ - अभाष अध्य अधिय-A निक्कुष्ट न्यूकियं - निक्वमान्न Ep अला ; Ep & mghm + xgm = म्बायकः A निरमुख चर्छारेन आक्रमान हर रिला; Ex = 2 mv. TO WIND = 1.31 XW × OUT IEMOBY - DIAN EPOS. - Diging diging . I seeks missing - Electric gurs. A नियमुष्ट प्रार्थ अभिन EA उत्पार्थ EA EP + EK I AME WILL HAVE RADI - AND EVEL. B. - ABIRY - - TUDY NOT - E STE- - SO- - N LEIGH - GRESNIN-1469243- Eb, 300; Eb, = was .

खावारं, है चिन्नू ए चर्छिटिये जार्डिका है। चर्ला Ex = = 1/2 moto = \frac{1}{2} \times m \frac{1}{4} + 2g(n-x)} - 13 mg (h - 12). (1000) 1100 (h - 10) 127 नवमूल त्याह माह--EBI 2000 - EBING - FETTING EB = Epic+ Ek Leinson - Filip. " Offist. A = mgx + mg (h-x). = mgx + mgh - mgx = mgh. Shanni - main on the A खर्गाष्ट्र Ea = Ea न्यां न्याद् आअव क्षिश्यात इविष्ठा। द्रिक्षां किष्टीद नामिक न्याकुन् निकालं न्यान न्यान निका निका निका निका नि 1300m 4000m 4000m 4000m 4000m - स्थित उक्त अक्ष मुक्ति अते. या मेरे वारे वारे प्रमे प मिलि हिस्सिन । म्हें अक्षिर अनित किस्सि न्ये त्व्याक्ष्यक्ष प्रवट प्राप्त अल् क्षे न्या निका हिन्दी अवत निक किया निक निका निका किया किया है। क) न्यातिक, ज्या त न्यांत क्षात्र अव उद्धि निक्य अग्रात अव्यक्ष्यांव मैं अवि । much ou and with while

- प्रक्रमा - किया - कि

= न्यात्वर्गात्र न्याद्वाद्ध एक्टाया न्याव्यक्ष्य अविषयमात्र प्राथन हि 3 Ep 1

F1 = EP = 1

खायात्र, सिम्मि मृत्य चारित्रात्य नामित्रात्य नामित्रात्य निम्नित्त निर्वाचित्राक्ति कार्यमानि निर्वाचित्राक्ति

: निर्मित्र मुंबह व्यान्त्रिक्ष न्यूनित न्यान्त्रिक विकास व विकास व विकास विकास व विकास विता विकास वि

.. निर्मि - मृत्य - कार्जनेखा - उतार कार्ज E2 रहा:

 $E_2 = \left(E_K + OE_K\right) + \left(E_P - OE_P\right)$

-M, E2 = (Ex + DEx) + Ep - DEp.

माश्चित - यार्षेत्रभाष्या - यार्षेत्रभाष्य - यार्षेत्रभाष्य - यार्षेत्रभाष्य - यार्षेत्रभाष्य - यार्षेत्रभाष्य

 $E_1 = E_2$: $e_1 = e_2$: $e_2 = e_3$: $e_3 = e_3$: $e_4 = e_3$: $e_5 = e_3$: e_5

M. Ex + Pp = Ep + AEx + Ep - OEp.

M, Ex + Ep - Ep + DEP = DEK.

.. Ofp = Ofk. (showed)

CS CamScanner

ले अरंध- क्रियं- क्रिक्र - अविति क्रियामे- प्रकाम - प्रकाम - प्रकाम अँडि. -थाक्ष्मारी - अधरमंत - याप्राप्त - अध्याविका The state of the s महाराज्य नामाना स्वास्ताक नामाना - अब्रिय- यक्षेत्र- अख्रित- अख्रिक- क्ष्रिकारं- युवक्ष्यण्यः Eb उद्धः $E_p = mgh$: क्राम्यार्थः निवास्त निवास्त्र अउत- वक्ष- विश्वा अभी काक्षा अर्थि आ के क्षेत्र कि = \frac{1}{2} m (uv + ngh) = m (0 + 2gh) 11 34 34. (410-47) · (110 /2gh.) · 1 916 - 91= + mgh. + - 0 - 11 11. The First For the Manual Property (1) 3 (1) 200- m/ Ep = EK. - यखन - याय- ग्रावाक- विकाम- नेवलवंगानि प्रयर द्वारा उपर -अध्वर्धान्य - नामक्ष्रान

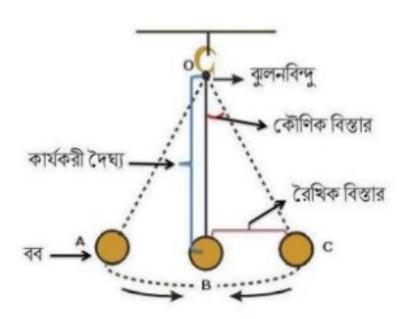
সরল ছন্দিত গতি

কোনো দোলনরত বা স্পন্দনরত কণার ত্বরণ সাম্যবস্থান থেকে এর দুরত্বের সামানুপাতিক ও সবসময় সাম্যবস্থান অভিমূখী হলে ঐ কণার গতিকে ছন্দিত গতি বা সরল ছন্দিত গতি বলে। যেমন, সরল দোলকের গতি।

সরল দোলক

একটি ভারী আয়তনহীন বস্তুকে অপ্রসারণশীল, ওজনহীন ও নমনীয় সুতার সাহায্যে ঝুলিয়ে দিলে এটি ঘর্ষণ এড়িয়ে স্বাধীনভাবে দুলতে থাকে তবে তাকে সরল দোলক বলে।

বাস্তবে সরল দোলক পাওয়া সম্ভব নয়। কেননা, ভারী আয়তনহীন কোনো বস্তু কিংবা সম্পূর্ণরূপে অপ্রসারণশীল, ওজনহীন ও নমনীয় সুতার অস্তিত্ব নেই। হিসাব নিকাশের সুবিধার্তে এরূপ আদর্শ দোলক কল্পনা করা হয়। সাধারণভাবে একটি হালকা সুতার সাহায্যে কোনো দূঢ় অবলম্বন থেকে একটি ভারী বস্তু ঝুলিয়ে দিয়ে সরল দোলক তৈরী করা হয়।



কার্যকরী দৈর্ঘ্য

ঝুলন বিন্দু থেকে ববের ভরকেন্দ্র পর্যন্ত দুরত্বকে কার্যকরী দৈর্ঘ্য বা দোলক বলা হয়। একে L দ্বারা প্রকাশ করা হয়। L = I + r

এখানে,

। = সুতার দৈর্ঘ্য

r = ববের ব্যাসার্ধ

রৈথিক বিস্তার

সরল দোলকের সাম্যবস্থা থেকে যে কোনো এক দিকের সর্বোচ্চ লম্ব দুরত্বকে বিস্তার বলে।





কৌণিক বিস্তার

সরল দোলকের সাম্যবস্থা থেকে যে কোনো একদিকে সরে কোনো অবস্থানে এসে ঝুলনবিন্দুর সাথে যে কোণ তৈরি করে তাকে কৌণিক বিস্তার বলে।

পূৰ্ণদোলন

বব এক শেষ প্রান্ত হতে অপর প্রান্তে গিয়ে আবার আগের প্রান্তে ফিরে আসলে তাকে পূর্ণদোলন বলে।

দোলনকাল

একটি পূর্ণদোলন সম্পন্ন করতে সরল দোলকের যে সময় লাগে তাকে দোলনকাল বলে। একে T দ্বারা প্রকাশ করা হয়।

```
N টি পূর্ণ দোলনে সময় লাগে t সেকেন্ড
1 টি পূর্ণ দোলনে সময় লাগে t / N সেকেন্ড
অর্থাৎ সংজ্ঞানুসারে,
দোলনকাল T = t / N
```

কোনো সরল দোলকের N সংখ্যক পূর্ণ দোলনে যদি t সময় লাগে তাহলে— দোলনকাল, T = t / N

কম্পাঙ্গ

এক সেকেন্ডে একটি সরল দোলক যে কয়টি পূর্ণদোলন সম্পন্ন করে তাকে তার কম্পাঙ্ক বলে। একে f দ্বারা প্রকাশ করা হয়।

```
একটি সরল দোলক,

T সময়ে পূর্ণ দোলন দেয় 1 টি

1 বা একক সময়ে পূর্ণ দোলন দেয় 1 / T টি

অর্থাৎ সংজ্ঞানুসারে,

কম্পাঙ্ক, f = 1 / T

বা, f = 1 / (t / N)

বা f = N / t
```

কোনো সরল দোলক t সময়ে N সংখ্যক পূর্ণদোলন সম্পন্ন করলে—

```
কম্পাস্ক, f = N / t
বা, f = 1/ (t / N)
বা, f = 1 / T [T = t / N]
```





সরল দোলকের সুত্রসমূহ

১ম সূত্র বা সমকাল সূত্র: কৌনিক বিস্তার অল্প হলে এবং দোলকের কার্যকরী দৈর্ঘ্য অপরিবর্তিত থাকলে কোনো নির্দিষ্ট স্থানে একটি সরলদোলকের প্রতিটি দোলনের জন্য সমান সময় লাগবে।

২. মৃত্র বা দৈর্ঘের সূত্র: কৌনিক বিস্তার অল্প হলে কোনো নির্দিষ্ট স্থানে সরলদোলকের দোলনকাল এর কার্যকরী দৈর্ঘ্যের বর্গমূলের সামানুপাতিক।

৩য় সূত্র বা ত্বরণের সূত্র: কৌনিক বিস্তার অল্প হলে এবং দোলকের কার্যকরী দৈর্ঘ্য অপরিবর্তিত থাকলে এর দোলনকাল অভিকর্ষজ ত্বরণের বর্গমূলের ব্যাস্তানুপাতিক।

এখন, সমীকরণ (1) ও (2) হতে পাই,

$$\mathrm{T}=2\pi\sqrt{rac{\mathrm{L}}{\mathrm{g}}}$$

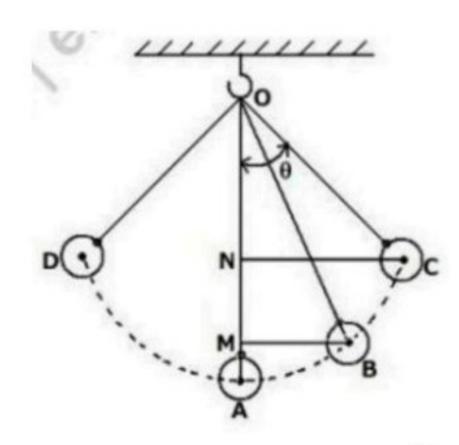
8র্থ সূত্র বা ভরের সূত্র: কৌনিক বিস্তার অল্প হলে এবং দোলকের কার্যকরী দৈর্ঘ্য অপরিবর্তিত থাকলে কোনো নির্দিষ্ট স্থানে সরল দোলকের দোলনকাল; ববের ভর, আয়তন, উপাদানের উপর নির্ভর করে না।

অনুধাবন ক্যাটাগরির প্রশ্ন:

- (১) সরল দোলকের গতিকে স্পন্দন গতি বলা হয় কেনো?
- (২) সরল দোলককে পৃথিবীর কেন্দ্রে অথবা পৃথিবীর বাইরে নিয়ে গেলে এর দোলনকাল কীরূপ হবে− ব্যাখ্যা করো।



সরল দোলকের ক্ষেত্রে যান্ত্রিক শক্তির নিত্যতা



মনে করি, একটি সরল দোলকের সাম্যাবস্থা OA। ববের ভর m। এটি দুলতে দুলতে কোনো এক সময় সর্বোচ্চ বিন্দু C তে পৌছাঁলে হ্বণিকের জন্য স্থির হবে। C বিন্দু, ববের সাম্যাবস্থান A হতে AN উচ্চতায় অবস্থিত।

- C বিন্দুতে বিভবশক্তি, $E_P = mg \times AN$ এবং,
- C বিন্দুতে গতিশক্তি, E_K = ½ m v² = ½ m × 0² [v=0] = 0
- C বিন্দুতে মোট শক্তি, E_c = Ep+Ek = mg × AN + 0 = mg × AN

দোলকটি কোনো একসময় B বিন্দুতে পৌছাঁবে। B বিন্দু, ববের সাম্যাবস্থান A হতে AM উচ্চতায় অবস্থিত।

- B বিন্দুতে বিভবশক্তি, $E_P' = mg \times AM$ এবং,
- B বিন্দুতে গতিশক্তি, Ek' = ½ m v²
 = ½ m × (u² + 2gh)
 = ½ m × (0² + 2g × NM) [u=0; h=NM]
 = mg (AN AM)
- B বিন্দুতে মোট শক্তি, E_B = Ep'+Ek' = (mg × AM) + mg (AN – AM) = (mg × AM) + (mg × AN) – (mg × AM) = mg × AN

অর্থাৎ,

 $E_{c} = E_{B}$

এভাবে দেখানো যায় যে, ববের গতিপথে সর্বত্র মোট শক্তি পরিমাণ ধ্রুবক। অর্থাৎ সরল দোলকের ক্ষেত্রে যান্ত্রিক শক্তির নিত্যতা প্রমাণিত হলো।





सकार अवन प्रात्मकन - क्यान - एवर 2 kg 3 कार्यकर देर्घा- 1 m डिलाम- एकता- इक 0.4m मूख एटिल एक एक जिला आका काकत्तीय नाक्षित काण्य विक् व्यक्ष ३ अप्रक्षित काक । न्यामान स्ट्रां - ठण - न्या प्राप्तामानिन क्रियं क्रियं - रामानिन । -0 A रिक्ट २७- एएए- निर्मा उत्रार्ध-कड़ अन्ता नार्जानात @ A 3 P च्यायप्राय न्याया - द्वाया (T) न्यायप कन , वायविष्ण व्यस्ति अधिक्याते निर्मात- कण- । क न्यकाद्व त्याप्य न्याप्य ग्राप्ता न्याप्ता । -

0. यार्म (मण कर्- यार्थ - यार्थ - या अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य => - अर्थाय वर्ष - स्थाय न्यान निर्मि निर्मा निर्मा नामिन नामिन नामिन नामिन नामिन नामिन नामिन नामिन नित्त हता जव अन् अणित अवस्य अण्डि वर्षा आयाम कार्याम क न्याम्बर् निक न्यार नारा अरक न्यार नाराक न्याय न नाइ- -राउम सामाकर- अधिक अधम्य नुमूख- यमा उने। त्यायम्बर्या क्रिकाम ने न्यामना न्यामन न्यामने न्यामने न्यामन न्यामने वार्षान --क्राह्मके- खेंबंधं - आप व = 0 उत्। स्का रितालिक अस्ति = 2म रितालिक निर्मा M, T = 2TT / E + "1) = 1 8=0 अला - अत्र- ज्यान अप्रीय आअला। नार्न - यात्र प्राप्त नार्य - व्याप्त न्याया नार्या नार्या बाइत्य नुधित - स्थाल अंच - याम जाया किया किया

अकार अन्त सामालान - वित्न - एवं - 2kg 3 वार्णातान -(45)- 1 m (4) (4) (4) (4) (4) (4) मिल्म आभा अवधामा । काल्याम नाली नता विश । विश कि शिल्यकि ने निह्नामूम्यो - प्राप्ट नाम्यारी - निह्नाह्म । : OG 2 ONT CNV $= \sqrt{1 - 0.4^2}$ $= \sqrt{1 - 0.4^2}$ 0.92 m. 0N=0192m. - 15 = 0:08 m आणी कावताय काव्याम न्यांकि यिक क्या गंडिलाः v = u+ 2gh 112 - 1 11-ज्यान अमि आख्यामें हर इला = - x 2 x 1, 25~ = 1.563 J

-याग्यां - प्रद्यां - या अडि ध्याण्यापूर्व - व्यव्ये वर्णालिय THINGS D 4 स्वय इत- कि कि पर्णा - वर्षा - का क्षेत्र का अवश्य रिव । 1 के प्रकार कार्य अवाय नियम नियम नियम । व्यक्ति एक अधिक्यान निक्र निक्र -यक्ति द्वे -त्ताण्य - व्याण - प्रव्यं - कं 0 द्यास द्याल्या F र्ला; Q F = wsing DETWOL. W=mg Al, ma = mg sino = 1.5 × 9.8 gsino = 9.8 sin 60° = 8.49 ms2 THE SAME THE THE THE PROPERTY - MINERANDED ا - کلا من دلال - فعدفه بهده :. AABC @- cos 30° ₹1, a = 9.8 × cos 30° cos 30° = + 71, ed \$30° = ma ., a = 8.49 ms 2 1. cos 30 = a = gcosso"

3 क्रिक्ट (ल) अंड- क्रार्थिहात्रक - क्यार्किया न्याम्य- दाप क्रांच्र विक्यात्रीक- वर्गा : A विन्ध् का श्राह्मः क्रीम TA उला म्बार्यमाने न्यायां भार्ने Weinego TA = w cos600 mcos600 -gernet; TA = mg cosco = 1.5 × 9.8 × cos60° - 9.8 ms 2 7.35 (Ans) खायात, p अवसाल वर्षादिन ने जारकः उष्टादन - दीन क्रांका अमा निर्मा निय जम पि श्टूर

न्याणका जार्जाले - वजिव - क्यामेटी 1 र्जा

5 5 m 3 6 1

$$= \left(\frac{1}{2}\right)^3$$

E 86.81 =

न्यकाण मिन्नायाणी Ch = Ob - Od . The 3002 Elines - Eline -माहहान पूर्व पर्वाच महामा अस्ता महामा प्राप्त पर्वाच पर्वाच = 7.25 min with - Editable - 12 - 1265 - 1265 -Salvange Denze Den ज्यामा । न्याकारा के कि कि कि कि निर्म नायकाप न्यान । सक्ति कथतीय क्राक्किश ख्याक प्राक्षक प्रात्त smort and; $-0^{4} + 2 \times 9.8 \times 1.25$ u = 04.95 ms 18.38 J

ण ए तर रक्ष नार्यक्त नगर्यक्षे दिर्धा । = 2:5 m.

.: त्यामका न त्याममान न न दिला

$$= 2\pi \sqrt{\frac{2.5}{9.8}}$$

त. 1200 Kd दिवंड- - वेज्युद् - न्याहि आग्राहे- अंग्रीका- क्याहित् ग्रा हिश्यां आधा 300 खण्या न्यायक । न्याहिद्दे - त्या 25 mg, 1 -आयत्य नायर न्ययर् -यार्ड- क्षिक्रकोत् त्यं प्रमाय क्षमायः क्षितः ह० m देख न्यादी - त्वादा नाम । न्याहिन क्षेत्र- निक्रांत्रिती डाम्न रामन जान निर्मा कर्ने। उम्मिल्टा में गवन्त्राक रव्या न्यका है विने कि लियेगाएँ। h= nsino 200, THE STUA - र् इला प्रशायकांग्री - Mingcoso. अगुरे संबंधिक न्याय अग्रिय अग्रिय न्याय न्याय 4 (जर्मका B नुष्यें - जर्मके - स्थां - स्थां - स्थां - आक्रें अधिकारि न्याता = 4 3 0 स्थिये - मारिये - तास्य प्रधिये - हिर्धा द्वार प्रधिये B रिक्ने के - शक्ये - अम्बिन - अम्बिन - अत्रेयक्षिक शिक्य अमुके क्रीस- 1 result, en en en en en en en en = m (xx-xx) = fx + mgt.

1, = mur = fx + mgzsino [: v = 0] Imu - mgxsin 8. m(u-2gx sino) m(u-2gnsino) Ingcoso = m(ur-2gnsino) u - 2925170 = seco (v-229 sino) 2 Ng - CETKEISTO TOTO - u seco - 2xg tano.

2ng Q पर्व अप्रायाया इकि अधुर्वे - द्वावं - क्यक्रायाय अवस् विषय अप अर्ड (1) काजाया (11) अर्व समायकेय कुल आक्रमण्य येथावियां - ENT - Lydy - Just - 1 THEURING THERE WAS AT THE THE

ভর ত্রুটি বা ভর ঘাটতি (Mass Defect)

সংজ্ঞা: নিউক্লিয়াসের ভর এবং নিউক্লিয়াসের অভ্যন্তরে অবস্থিত নিউক্লিয়ন গুলোর মুক্তবস্থার ভরের সমষ্টির পার্থক্যকে ভর ত্রুটি বা ভর ঘাটতি বলে। একে সাধারণত Δm দ্বারা প্রকাশ করা হয়।

নিউটনের মতে ভর এবং শক্তি দুইটি আলাদা কিন্তু আইন্সটাইন বলেন যে ভর ও শক্তির মধ্যে কোনো পার্থক্য নেই। এরা একই সত্বার দ্বৈত প্রকাশ।

আইন্সটাইনের আপেক্ষিকতার বিশেষ তত্ত্বের বিষ্ময়কর অবদান হলো ভর শক্তি সম্পর্ক, E = mc²। এই তত্বানুসারে নিউক্লিয়াসের এই হারানো ভরকে শক্তিরূপে পাওয়া যায়। নিউক্লিয়াসের এই ভর ও শক্তির সম্পর্কের উপর ভিত্তি করে আজকের আধুনিক নিউক্লিয়ার যুগের সুচনা হয়।

নিউক্লিয়াসের ভর ক্রটির রাশিমালা

কোনো নিউক্লিয়াসের পারমাণবিক সংখ্যা বা প্রোটনের সংখ্যা Z ও নিউট্রনের সংখ্যা N এবং ভরসংখ্যা A। যদি প্রোটন ও নিউট্রনের ভর যখাক্রমে Mp ও Mn হয়, তবে নিউক্লিয়াসের মোট বা স্থায়ী নিউক্লিয়াসের ভর তথা নিউক্লিয় ভর Mnuc হলে—

আবার মৌলের পারমাণবিক ভর Matm এবং একটি ইলেক্ট্রনের ভর Me ও পারমাণবিক সংখ্যা বা প্রোটন সংখ্যা Z হলে—

মৌলের নিউক্লীয় ভর = মৌলের পারমাণবিক ভর
$$-$$
 মোট ইলেকট্রনের ভর বা, $M_{nuc} = M_{atm} - ZM_e$ $------(3)$

কিন্তু কোনো স্থায়ী নিউক্লিয়াসের ভর তার গঠনকারী উপাদানসমূহের মুক্তাবস্থার ভরের সমষ্টি অপেক্ষা কিছুটা কম হতে দেখা যায়। ভরের এই পার্থক্যকে ভর-ক্রটি বা ভর ঘাটতি বলে।

ভর-ক্রটি = উপাদানসমূহের মুক্তাবস্থার ভর – স্থায়ী নিউক্লিয়াসের ভর।

আবার—

$$\Delta m = (ZM_p + NM_n) - M_{nuc}$$

বা, $\Delta m = (ZM_p + NM_n) - (M_{atm} - ZM_e)$ ————(7) [(3) নং ব্যবহার করে]
বা, $\Delta m = ZM_p + NM_n - M_{atm} + ZM_e$
বা, $\Delta m = ZM_p + ZM_e + NM_n - M_{atm}$
বা, $\Delta m = Z(M_p + M_e) + NM_n - M_{atm}$
বা, $\Delta m = ZM_H + NM_n - M_{atm}$ ————(8) [(4) নং ব্যবহার করে]

উপরোক্ত (5), (6), (7) ও (8) नং সমীকরণ'ই হলো ভরক্রটির রাশিমালা।

নিউক্লিয়াস গঠিত হবার মুহুর্তে এই হারানো ভর, শক্তি হিসেবে বিকিরিত হয় এবং এই শক্তি নিউক্লিয়াস গঠনকালে বন্ধন শক্তির পরিমাপের সমান।



বন্ধন শক্তি (Binding energy)

বন্ধন শক্তি এর দুইটি সংজ্ঞা দেয়া যায়—

- কোনো নিউক্লিয়াসকে ভেঙে এর নিউক্লিয়নগুলোকে পরস্পরের প্রভাব হতে মুক্ত করতে নিউক্লিয়াসকে বাইরে থেকে যে পরিমাণ শক্তি সরবরাহ করতে হয় তাকে বন্ধন শক্তি বলে।

বন্ধন শক্তিকে B.E বা E_B দ্বারা প্রকাশ করা হয়।

নিউক্লিয়নগুলোকে একত্রকারী সবল নিউক্লীয় বলের ক্রিয়া হতে নিউক্লীয় বন্ধন শক্তি উদ্ভূত হয় এবং এটা নিউক্লিয়াসের স্থায়িত্বের জন্য দায়ী। বন্ধন শক্তি বেশি হলে নিউক্লিয়াস অধিকতর স্থায়ী হয়।

বন্ধন শক্তির রাশিমালা

মলে করি নিউক্লিয়াসের ভর-ক্রটি ও আলোর বেগ যখাক্রমে Δm ও c এবং বন্ধনশক্তি E_B হলে আইনস্টাইনের আপেক্ষিক তত্ব হতে পাই—

উপরোক্ত (9), (10), (11) ও (12) नং সমীকরণ'ই হলো বন্ধন শক্তির রাশিমালা।

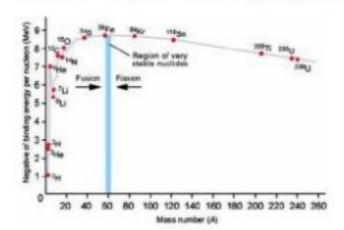
প্রতি নিউক্লিয়নে বন্ধন শক্তি (Binding Energy per Nucleon) বা গড় বন্ধন শক্তি

সংজ্ঞা: কোনো নিউক্লিয়াসের মোট বন্ধন শক্তি এবং ভর সংখ্যার অনুপাতকে প্রতি নিউক্লিয়নে বন্ধন শক্তি বা গড় বন্ধন শক্তি বলা হয়।

∴ গড় বন্ধন শক্তি = মোট বন্ধন শক্তি / ভর সংখ্যা

কোনো নিউক্লিয়াসের গড় বন্ধন শক্তি এর ভর সংখ্যার ওপর নির্ভর করে। ভর সংখ্যার পরিবর্তনে গড় বন্ধন শক্তি পরিবর্তিত হয়।

গড় বন্ধন শক্তি ও নিউক্লিয়াসের স্থায়িত্ব



ভর সংখ্যা বৃদ্ধির সাথে সাথে গড় বন্ধন শক্তি প্রথমে দ্রুত বৃদ্ধি পায়। কিছু কিছু নিউক্লিয়াস যেমন, ⁴He, ¹²C ও ¹⁶O এর মান তুলনামূলক ভাবে বেশি। অতএব, এই নিউক্লিয়াস গুলো আশেপাশের নিউক্লিয়াস গুলোর তুলনায় বেশি স্থায়ী। পর্যায় সারণির মধ্যবর্তী স্থানে অবস্থিত মৌলগুলির (50<A<40) নিউক্লিয়াস গুলো সবচেয়ে সুস্থিত। কেননা এদের নিউক্লিয়াস থেকে একটি নিউক্লিয়ান বিচ্ছিন্ন করতে অনেক বেশি শক্তির প্রয়োজন হয়। লেখচিত্র থেকে দেখা যায় যে এই অঞ্চলের নিউক্লিয়াস গুলোর গড় বন্ধন শক্তি প্রায় 8.5 MeV। ⁵⁶Fe এর ক্ষেত্রে এর মান হলে 8.8 MeV; যা সর্বোচ্চ। সুতরাং বলা যায় লোহা (⁵⁶Fe) সর্বাধিক স্থায়ী নিউক্লিয়াস গুলোর অন্যতম। অত্যন্ত হাল্কা (A < 20) এবং ভারী (A > 100) নিউক্লিয়াসের গড় বন্ধন শক্তির মান কম। তাই ভারী নিউক্লিয়াস (A > 200) বিভাজিত হয়ে এবং হাল্কা নিউক্লিয়াস সংযোজিত হয়ে স্থায়ী নিউক্লিয়াসে পরিণত হতে সচেষ্ট হয়। এ কারণেই ইউরোনিয়াম নিউক্লিয়াসের ফিশান এবং হাইড্রাজেন বা এর আইসোটোপ গুলোর নিউক্লিয়াসের ফিউশন তুলনামূলকভাবে সহজ।

নিউক্লীয় বিক্রিয়া (Nuclear Reaction)

সংজ্ঞা: কৃত্রিম উপায়ে পরমাণুর নিউক্লিয়াসের পরিবর্তন ঘটিয়ে নতুন মৌল গঠন করার প্রক্রিয়াকে নিউক্লীয় বিক্রিয়া বলে। নিউক্লীয় বিক্রিয়া হলো একটি নিউক্লীয় ঘটনা।

তেজস্ক্রিয় পদার্থ থেকে নিঃসৃত আলফা কণা (₂He²+) এর সাহায্যে রাদারফোর্ড সর্বপ্রথম নাইট্রোজেন নিউক্লিয়াস ভাঙতে সক্ষম হন। কৃত্রিম উপায়ে একটি নিউক্লিয়াস ফিশান ঘটিয়ে অন্য একটি নিউক্লিয়াস সৃষ্টির এটিই প্রথম ঘটনা। এটিই হচ্ছে প্রথম নিউক্লীয় বিক্রিয়া (Nuclear Reaction)। নাইট্রোজেন নিউক্লিয়াসে যে বিক্রিয়া ঘটে তা নিম্নরূপ—

$$^{14}N + {}^{4}He \rightarrow {}^{17}O + p$$

পরবর্তীকালে এস. ডি কক্রফট এবং ই. টি. এস ওয়ালটন কৃত্রিমভাবে ত্বরান্বিত (ত্বরণে গতিশীল) প্রোটন কণিকার সাহায্যে নিম্নলিথিত বিক্রিয়া ঘটান—

$$^{7}\text{Li} + p \rightarrow \text{He} + \alpha$$

পরবর্তী সময়ে আলফা কণিকা, নিউট্রন কণিকা ও অন্যান্য কণিকা ব্যবহার করে অনেক নিউক্লীয় বিক্রিয়া পর্যবেষ্ণণ করা হয়েছে এবং নিউক্লিয়াসের গঠন, অভ্যন্তরীণ বিন্যাস, প্রকৃতি ইত্যাদি সম্পর্কে গুরুত্বপূর্ণ তথ্য আহরণ করা সম্ভব হয়েছে।

একটি নিউক্লীয় বিক্রিয়ায় নিম্নলিখিত ভৌত রাশি (Physical quantities) সংরক্ষিত হয়। যথা—

- নিউক্লিয়ন সংখ্যা (Nucleon number)
- তড়িৎ আধান (Electric charge)
- সামগ্রিক ভরশক্তি (Total mass-energy)
- রৈথিক ভরবেগ (Linear momentum)
- কৌণিক ভরবেগ (Angular momentum)
- আইসোটোপিক স্পিন (Isotopic spin) এবং
- সমতা (Parity)

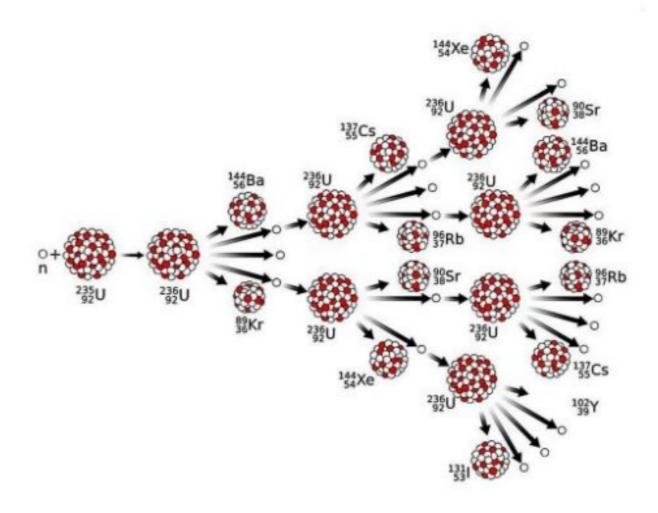
রাসায়নিক বিক্রিয়া ও নিউক্লীয় বিক্রিয়ার পার্থক্য

রাসায়নিক বিক্রিয়া	নিউক্লিয় বিক্রিয়া
রাসায়নিক বিক্রিয়ায় পরমাণুর সবচেয়ে বাইরের কক্ষপথের ইলেকট্রন অংশগ্রহণ করে।	নিউক্লিয় বিক্রিয়া সরাসরি পরমাণুর নিউক্লিয়াসে সংঘটিত হয়।
রাসায়নিক বিক্রিয়ার ফলে নতুন কোনো পরমাণু উৎপন্ন হয়	নিউক্লিয় বিক্রিয়ায় পরমাণুর নিউক্লিয়াস পরিবর্তিত হয়ে নতুন
না।	মৌলের পরমাণু সৃষ্টি হয়।
রাসায়নিক বিক্রিয়ায় সংশ্লিষ্ট শক্তি থুব কম, মাত্র eV (electro	নিউক্লীয় বিক্রিয়ায় শক্তির পরিমাণ অনেক বেশি, MeV
volt) ক্রমের।	(Mega electro volt) ক্রমের।

শৃঙ্খল বা শিকল বা চেইন বিক্রিয়া (Chain Reaction)

সংজ্ঞা: যেসব বিক্রিয়া একবার শুরু হলে সমংক্রিয় ভাবে চলতে থাকে এবং শক্তিনির্গত করে থাকে তাকে চেইন বিক্রিয়া বলে। চেইন বিক্রিয়া দুই প্রকার। যথা—

- 1. নিয়ন্ত্ৰিত চেইন বিক্ৰিয়া (Controlled chain reaction)
- 2. অনিমন্ত্রিত চেইন বিক্রিয়া (Uncontrolled chain reaction)



অনিয়ন্ত্রিত চেইন বিক্রিয়ায় এক সেকেণ্ডের লক্ষ ভাগের এক ভাগ সময়ের মধ্যে ফিশান বিক্রিয়া হাজার গুণ বৃদ্ধি পেতে পারে।

নিউক্লিয় শক্তি

পরমাণুর নিউক্লিয়াস ভেঙ্গে যদি কোনো নতুন নিউক্লিয়াস উৎপন্ন হয় কিংবা দুটি পরমাণুর নিউক্লিয়াস যদি সংযুক্ত হয়ে যদি একটি নিউক্লিয়াস গঠন করে তবে কিছু পরিমাণ শক্তি উৎপন্ন হয়। একে নিউক্লিয় শক্তি বলে।

নিউক্লিয় শক্তি উৎপাদন প্রক্রিয়া

নিউক্লিয় শক্তি দুই পদ্ধতিতে উৎপাদন করা যায়। যথা—

- 1. নিউক্লিউ ফিউশন বা নিউক্লিয়াসের সংযোজন
- 2. নিউক্লিউ ফিশান বা নিউক্লিয়াসের বিভাজন

নিউক্লীয় ফিউশন (Nuclear fusion)

সংজ্ঞা: যে নিউক্লিয় বিক্রিয়ায় একাধিক হালকা নিউক্লিয়াস একত্রিত হয়ে একটি অপেক্ষাকৃত ভারী নিউক্লিয়াস গঠন করে এবং অত্যধিক শক্তি নির্গত হয়, তাকে নিউক্লীয় ফিউশন বা নিউক্লীয় সংযোজন বলে।

ফিউশন অত্যধিক উদ্ধ তাপমাত্রায় সংঘটিত হয় বলে এই বিক্রিয়াকে তাপ-নিউক্লীয় বিক্রিয়া (Thermonuclear reaction) বলে। এই তাপমাত্রার মান প্রায় 10°°C। ফিউশনে হাইড়োজেন আইসোটোপ ডিউটেরন বা ডিউটেরিয়াম (²H বা ²D), ট্রাইটিয়াম বা ট্রাইটন (³H) ব্যবহার করা হয়। যথন 800 km/s বেগ সম্পন্ন ট্রাইটিয়াম নিউক্লিয়াসের সঙ্গে ডিউটেরিয়াম নিউক্লিয়াসের সংঘর্ষ ঘটে, তথন ফিউশন প্রক্রিয়ায় হিলিয়াম নিউক্লিয়াস গঠিত হয়। এবং এর সঙ্গে প্রচণ্ড শক্তি বিমুক্ত হয়।

এই ধরনের প্রতিটি ফিউশন বিক্রিয়ায় 17.6 MeV (Mega electro volt) শক্তি বিমুক্ত হয়। সূর্যের ভিতরে ফিউশন বিক্রিয়া সংঘটিত হচ্ছে এবং প্রচুর শক্তি উৎপন্ন হচ্ছে, যার থুবই সামান্য অংশ আমাদের পৃথিবী পৃষ্ঠে আসে।

ফিউশন বিক্রিয়ায় দুটি নিউক্লিয়াসের সংযোগের ফলে একটি হিলিয়াম নিউক্লিয়াস উৎপন্ন হয়। নিউক্লিয় ফিউশনের ক্ষেত্রে উৎপন্ন নিউক্লিয়াসগুলোর মোট ভর প্রারম্ভিক নিউক্লিয়াসগুলোর মোট ভর অপেক্ষা কম হয়। অর্থাৎ ফিউশনের ফলে ভরের হ্রাস ঘটে। হারানো ভর শক্তিতে পরিণত হয়। নিউক্লিয়াসগুলো ধনাত্মক আধানবিশিষ্ট হওয়ায় দুটি নিউক্লিয়াসের ফিউশন বিক্রিয়া ঘটাতে হলে নিউক্লিয়াস দুটিকে উদ্ধ গতির অধিকারি হতে হয়, যাতে করে এর বিকর্ষণ বলের প্রভাব অতিক্রম করতে পারে। নিউক্লিয় ফিউশন নীতির উপর ভিত্তি করে হাইড়োজেন বোমা তৈরি করা হয়।

সূর্য ও নক্ষত্রসমূহের শক্তি

নিউক্লীয় ফিউশন বিক্রিয়ার মাধ্যমে সূর্য ও নক্ষত্রসমূহের অভ্যন্তরে শক্তি উৎপন্ন হয়। এদের নিউক্লীয় অঞ্চলের কয়েক কোটি সেলসিয়াস ডিগ্রি তাপমাত্রা এই ধরনের নিউক্লীয় ফিউশনের জন্য উপযোগী। বিজ্ঞানীদের নিকট বর্তমানে স্বীকৃত তত্ব হলো এরূপ যে সূর্যের অভ্যন্তরে কয়েকটি ধাপে নিউক্লীয় ফিউশন বিক্রিয়ার একটি চক্র সম্পূর্ণ হয়। প্রতিটি চক্রে চারটি প্রোটনের নিউক্লীয় ফিউশনের ফলে একটি হিলিয়াম নিউক্লিয়াস ও দুটি পজিউন উৎপন্ন হয়। অর্থাৎ—

নিউক্লীয় ফিশান (Nuclear fission)

সংজ্ঞা: যে নিউক্লিয় বিক্রিয়ায় ভারী পরমাণুর নিউক্লিয়াস বিশ্লিষ্ট হয়ে প্রায় সমান ভরের দুটি ভিন্ন নিউক্লিয়াস তৈরি হয় এবং বিপুল পরিমাণ শক্তি নির্গত হয়, তাকে নিউক্লীয় ফিশান বা নিউক্লিয়ার বিভাজন বলে।

উদাহরণস্বরূপ বলা যায় যে, ইউরেনিয়াম নিউক্লিয়াসকে উচ্চ শক্তিসম্পন্ন নিউট্রন, প্রোটন বা ডিউটেরিয়াম দ্বারা আঘাত করলে নিউক্লিয়াসের ফিশান ঘটে।

$$^{235}_{92}$$
U + $^{1}_{9}$ 1 1 $^{19}_{92}$ U + $^{1}_{56}$ Ba + $^{92}_{56}$ Kp + $^{1}_{36}$ Np + $^{1}_{56}$ Np + $^{1}_{56}$ Np + $^{1}_{56}$ Np + $^{1}_{56}$ Np + $^{235}_{56}$ U + $^{1}_{56}$ Np + $^{235}_{92}$ U + $^{1}_{56}$ Np + $^{235}_{56}$ D + $^{144}_{56}$ Ba + $^{90}_{36}$ Kp + $^{2}_{56}$ Np + $^{2}_{56}$ Np

অর্থাৎ ইউরেনিয়াম (²³⁵U) কে তাপীয় নিউট্রন দ্বারা আঘাত করায় এটি নিউট্রনকে আটক করে অস্থায়ী যৌগিক নিউক্লিয়াস [²³⁵U]⁺ এ পরিণত হয় যার স্থায়িত্বকাল 10⁻¹² সেকেন্ড। এই অস্থায়ী নিউক্লিয়াস ফিশান প্রক্রিয়ায় বিভাজিত হয়ে বেরিয়াম ও ক্রিপটন নিউক্লিয়াস গঠন করে এবং 1টি হতে 3টি দ্রুতগতিসম্পন্ন নিউট্রন সৃষ্টি হয়। এই নিউট্রনগুলোর আরও ইউরেনিয়াম নিউক্লিয়াসে ফিশান ঘটে। এরূপ ধারাবাহিকভাবে ফিশন প্রক্রিয়া চলতে থাকে। ²³⁵U নিউক্লিয়াসকে নিউট্রন দ্বারা আঘাত করলে শুধু উপরোক্ত বিক্রিয়াই সংঘটিত হয় না। বরং বহু ধরনের বিক্রিয়া ঘটে। যেমন—

এক্ষেত্রে 1টি হতে 2টি নিউট্রন সৃষ্টি হয়। কোনো কোনো বিক্রিয়ায় 5টি পর্যন্ত নিউট্রন সৃষ্টি হয়। প্রতি ফিশনে গড়ে 2.5 সংখ্যক নিউট্রন সৃষ্টি হয়।

প্রতিটি ফিশানে প্রায় 200 MeV (Mega electro volt) শক্তি উৎপন্ন হয়। এই বিক্রিয়া নিয়ন্ত্রণ না করতে পারলে আণবিক বোমার বিস্ফোরণে রুপ নিবে। আর নিয়ন্ত্রণ করতে পারলে তা হবে আণবিক চুল্লীতে সংঘটিত নিয়ন্ত্রিত ফিশন বিক্রিয়া। যার মাধ্যমে টারবাইনের সাহায্যে জেনারেটর থেকে বিদ্যুৎ উৎপন্ন করা হয়। বাংলাদেশের পাবনার রূপপুর আণবিক বিদ্যুৎ কেন্দ্রেও এই প্রক্রিয়ায় বিদ্যুৎ উৎপন্ন করা হবে।

1934 খ্রিস্টাব্দে ফিশান প্রক্রিয়ার আবিষ্কার শুরু করেন বিজ্ঞানী ফার্মি। কিন্তু পরবর্তীতে 1939 খ্রিস্টাব্দে এই প্রক্রিয়া চূড়ান্তভাবে আবিষ্কার করেন জার্মান বিজ্ঞানী অটোহান এবং তার দুজন সহযোগী স্ট্রেসম্যান ও মাইট্রার।

১৯৪৫ সালে 'ম্যানহটান প্রজেক্ট'- এর আওতায় নিউ মেক্সিকোর মরু এলাকায় প্রথম পারমাণবিক বোমার বিস্ফোরণ ঘটানো হয়। ম্যানহাটান প্রজেক্টের তত্ত্ববধায়ক ছিলেন এনরিকো ফার্মি এবং প্রধান বিজ্ঞানী ছিলেন ওপেন হাইমার। ওপেন হাইমারকে পারমাণবিক বোমার আবিষ্কারক বলা হয়।



ইলেক্টো ভোল্ট (eV)

দুটি বিন্দুর মধ্যে বিভব পার্থক্য 1 volt হলে এবং একটি ইলেক্ট্রন এক বিন্দু হতে অন্য বিন্দুতে গতিশীল হলে যে শক্তি লাভ করে তাকে এক ইলেক্ট্রো ভোল্ট (eV) বা 1 eV বলে।

কাজ বা শক্তির একটি একক হলো eV। সাধারণত পারমাণবিক ও নিউক্লিয় পদার্থবিদ্যায় শক্তির এই একক ব্যবহার করা হয়।

1 MeV = 10^6 eV 1 eV = 1.6×10^{-19} J 1 MeV = 1.6×10^{-13} J

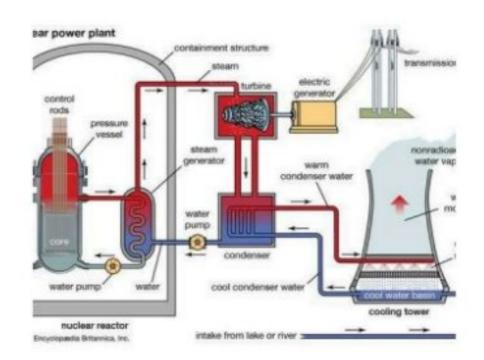
নিউক্লিয় ফিউশন ও ফিশানের মধ্যে পার্থক্য

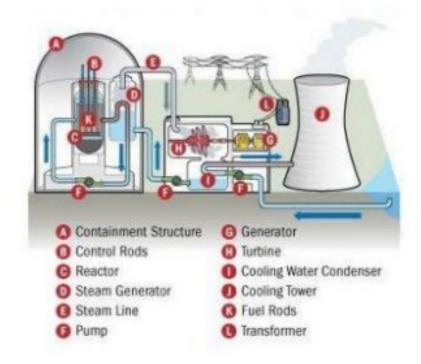
নিউক্লিয় ফিউশন	নিউক্লিয় ফিশান
নিউক্লিয় ফিউশন বিক্রিয়ায় দুটি স্কুদ্র স্কুদ্র নিউক্লিয়াস একত্রিত হয়ে অপেক্ষাকৃত বড় নিউক্লিয়াস গঠন করে।	নিউক্লিয় ফিশান বিক্রিয়ায় একটি অতি বৃহৎ নিউক্লিয়াস, দুটি প্রায় কাছাকাছি ভর বিশিষ্ট নিউক্লিয়াসে বিভক্ত হয়।
নিউক্লিয় ফিউশন বিক্রিয়া চেইন বিক্রিয়া নয়।	নিউক্লিয় ফিশান বিক্রিয়া হলো চেইন বা শিকল বিক্রিয়া; যা অনবরত চলতে খাকে।
অত্যাধিক উচ্চ তাপমাত্রায় (10 ⁷ ~ 10 ⁸ K) স্কুদ্র স্কুদ্র নিউক্লিয়াস কে উত্তপ্ত করে ফিউশন বিক্রিয়া ঘটানো হয়।	বৃহৎ নিউক্লিয়াসকে নিউট্টন দ্বারা আঘাত করে বিক্রিয়ার সূচনা ঘটানো হয়।
ফিশান বিক্রিয়ার তুলনায় নিউক্লিয় ফিউশনে অনেক বেশি তাপশক্তি নির্গত হয়।	নিউক্লিয় ফিশান বিক্রিয়ায় বিপুল তাপশক্তি নির্গত হয়।
নিউক্লিয় ফিউশন বিক্রিয়া নিয়ন্ত্রণ করা সম্ভব হয় নি।	পারমাণবিক চুল্লীতে নিউক্লিয় ফিশান বিা্রিয়াকে নিয়ন্ত্রিত করে বিদ্যুৎ শক্তি উৎপন্ন করা সম্ভব।
নিউক্লিয় ফিউশন বিক্রিয়ায় কোনো নিউক্লিয় বর্জ্য পদার্থ অবশিষ্ট থাকে না।	নিউক্লিয় ফিশান বিক্রিয়ায় প্রচুর নিউক্লিয় বর্জ্য পদার্থ অবশিষ্ট থাকে।

পারমাণবিক চুল্লি বা নিউক্লীয় চুল্লি (nuclear reactor)

সংজ্ঞা: যে যন্ত্রে নিয়ন্ত্রিত চেইন বিক্রিয়া ঘটিয়ে বিপুল পরিমাণ শক্তি পাওয়া যায় তাকে পারমাণবিক চুল্লি বা নিউক্লীয় চুল্লি বলে।

পারমাণবিক চুল্লিতে মূলত ²³⁵U ব্যবহার করা হয়। প্রকৃতিতে প্রাপ্ত ইউরেনিয়ামের মধ্যে ²³⁸U ও ²³⁵U প্রায় 142: 1 অনুপাতে থাকে। প্রাকৃতিক ইউরেনিয়ামের মধ্য দিয়ে তাপীয় নিউট্রন (Thermal neutron) পাঠালে ²³⁵U এর বিভাজন হয়। পক্ষান্তরে ²³⁸U নিউট্রনকে শোষণ করে। তাই চেইন বিক্রিয়া চালু রাখার জন্য প্রাকৃতিক ইউরিনিয়াম নমুনায় ²³⁵U এর অনুপাত বেড়ে যায়। এই ধরনের ইউরেনিয়ামকে সমৃদ্ধ (enriched) ইউরেনিয়াম বলে।





চিত্রে একটি নিউক্লীয় চুল্লির সংশ্লিষ্ট যন্ত্রাদির নকশা দেখানো হয়েছে। চিত্রে প্রদর্শিত মজা বা কোর (core)-এর মধ্যে জ্বালানি দণ্ড (এক্ষেত্রে ইউরেনিয়াম), মডারেটর, নিয়ন্ত্রক দণ্ড ও শীতলকারক পদার্থ (coolant) বা শীতক থাকে। দ্রুতগতিসম্পন্ন নিউট্রনগুলিকে মন্দীভূত করার জন্য মডারেটর ব্যবহার করা হয়। মডারেটর হিসেবে ভারী পানি (heavy water), গ্রাফাইট ইত্যাদি ব্যবহার করা হয়। চেইন বিক্রিয়া শুরু, বন্ধ বা নিয়ন্ত্রণ করার জন্য নিয়ন্ত্রক দণ্ড ব্যবহার করা হয়। ক্যাডমিয়াম বা বোরন দণ্ড নিয়ন্ত্রক দণ্ড হিসেবে ব্যবহার করা হয়।

পারমাণবিক চুল্লির কার্যনীতি

²³⁵U এর স্থালানি দণ্ড, তাপীয় নিউট্রনের আঘাতে বিভাজিত হয়ে উদ্ধ বেগসম্পন্ন গৌণ নিউট্রন উৎপন্ন হয়। গৌণ নিউট্রন উৎপন্ন হওয়ার সাথে সাথে সাধারণত মডারেটর দ্বারা মন্দীভূত হয়ে পরবর্তী নিউক্লীয় বিভাজনের জন্য তৈরি হয়। ভারী পানি নিউট্রনকে শোষণ করে না, তবে নিউট্রনের শক্তি শোষণ করে। প্রয়োজনমতো নিউট্রনকে শোষণ করার কাজে ক্যাডমিয়াম দণ্ডের সেট ব্যবহার করা হয়। ক্যাডমিয়াম দণ্ডগুলি ওপরে নিচে চলাচলের মাধ্যমে নিউট্রনের নিয়ন্ত্রক হিসেবে কাজ করে। মন্ধার অভ্যন্তরস্থ স্থানে উৎপন্ন উদ্ধ তাপকে মন্ধার বাহিরে এনে ওই তাপশক্তিকে তাপ বিনিময় যন্ত্রের সাহায্যে কাজে লাগিয়ে পানিকে বাঙ্গেপ পরিণত করা হয়। টারবাইন ঘুরানোর জন্য মাধ্যমে বিদ্যুৎশক্তি উৎপন্ন করা হয়। আবার উদ্ধ চাপের অধীনে পানিকে শীতলকারক হিসেবে মন্ধার মধ্যে পাঠানো হয়। এর ফলে মন্ধার তাপমাত্রাও নিয়ন্ত্রণে থাকে। নিরাপত্তাজনিত কোনো কারণে নিউক্লীয় চুল্লি বন্ধ করার জন্য অতিরিক্ত ক্যাডমিয়াম দণ্ডের সেট রাখা হয় যা প্রয়োজনে ব্যবহার করা হয়।

শ্বির বা নিশ্চল ভর (Rest mass)

সংজ্যা: স্থির অবস্থায় বস্তুর ভরকে স্থির বা নিশ্চল ভর বলে।

আপেক্ষিক তত্বানুসারে বস্তুর ভর তার বেগের সাথে পরিবর্তিত হয়। বস্তুর গতিবেগ আলোর বেগের কাছাকাছি হলে ভর উল্লেখযোগ্য ভাবে বৃদ্ধি পায়।

আপেষ্ফিক ভর (Relative mass)

সংজ্ঞা: কোনো প্রসঙ্গ-কাঠামো (reference frame) থেকে স্থির পর্যবেক্ষক বস্তুর যে ভর পরিমাপ করেন তা বস্তুটির আপেক্ষিক ভর। এই ভরটি ঐ প্রসঙ্গ কাঠামো সাপেক্ষে ঐ বস্তুর ভরের উপর নির্ভর করে।

নিশ্চল ভর সৃষ্টি হয় বস্তু আর হিগস ক্ষেত্রের হিগস কণার সংঘাত থেকে। আর আপেক্ষিক ভর সৃষ্টি হয় নিশ্চল ভর ও মৌলিক কণার গতি থেকে। প্রতিটি পরমাণুতে কণা গুলো কম্পমান। এই কম্পনের উপরেও ভর নির্ভর করে। সাধারণত ভরকে m দ্বারা প্রকাশ করা হয়, তবে একইসাথে স্থির ভর ও আপেক্ষিক ভর দু'টোই উল্ল্যেখ থাকলে এদেরকে যথাক্রমে m₀ এবং m দ্বারা সনাক্ত করা হয়।

আপেষ্ণিক ভর ও নিশ্চল ভরের সম্পর্ক

আপেক্ষিক ভর ও আলোর বেগ যখাক্রমে m ও c এবং m_0 নিশ্চল ভরবিশিষ্ট কোনো বস্তু v বেগে গতিশীল হলে আইস্টাইনের আপেক্ষিক তত্ব হতে পাই—

$$m=rac{m_0}{\sqrt{1-rac{v^2}{c^2}}}$$

ভরশক্তি সমীকরণ

কোনো বস্তু ভর এবং আলোর গতির বর্গকে গুণ করলে ঐ বস্তুর অন্তর্নিহিত শক্তির পরিমান পাওয়া যায়। ইহাকে ভরশক্তি সমীকরণ বলে।

ক্লাসিক্যাল পদার্থবিদ্যায় ভর ও শক্তি দুটি আলাদা হলেও আধুনিক পদার্থবিদ্যায় ভর হচ্ছে শক্তির'ই আরেক রূপ।

বিজ্ঞানী আইনস্টাইন এর ভর শক্তির সম্পর্ক হলো পদার্থবিজ্ঞানের কালজয়ী সুত্র। আইস্টাইন তার আপেক্ষিক তত্বের সাহায্যে এই বিষ্ময়কর সুত্র আবিষ্কার করেন। এই সুত্রকে ভর শক্তি রূপান্তরের সুত্র বলা হয়। সুত্রটি নিম্নরূপ—

$$E = mc^2$$

এখানে,

E = বস্তুর অন্তর্নিহিত শক্তি।

m = বস্তুর ভর।

c = আলোর বেগ। শুন্যস্থানে এর মান c = 3×108 m/s (প্রায়)

সূত্রটি পূর্ণাঙ্গ রূপ হচ্ছে, E² = (pc)² + (m₀c²)² যেখানে p হচ্ছে বস্তু বা কণার ভরবেগ।



পারমাণবিক ভর একক (Atomic mass unit or amu)

কোনো মৌলের একটি পরমাণুর প্রকৃত ভরকে যে এককে প্রকাশ করা হয়, তাকে পারমাণবিক ভর একক (amu) বলে। এর পূর্ণরূপ হলো Atomic mass unit. সাধারণত পারমাণবিক ও নিউক্লিয় পদার্থবিদ্যায় ভরের এই একক ব্যবহার করা হয়।

একটি পরমাণুর ভর থুবই নগণ্য। তাই পরমাণুর প্রকৃত ভর বিবেচনা করা হয় না। নিউক্লীয় পদার্থবিজ্ঞানে ভরের প্রচলিত একক হলো পারমাণবিক ভর একক (amu)। 1960 সাল থেকে 12C (12 ভর বিশিষ্ট কার্বন) মৌলকে প্রমাণ মৌল ধরে এর সাহায্যে অন্য সকল মৌলের ভর নির্ণয় করা হয়।

এক পারমাণবিক ভর (1 amu) বলতে 12C (12 ভর বিশিষ্ট কার্বন) পরমাণুর ভরের 1/12 অংশ বুঝায়।

নিউট্রন, প্রোটন প্রভৃতি কণার ভর amu এককে প্রকাশ করা যায়। এই এককে প্রোটন ও নিউট্রনের ভর যথাক্রমে 1.007277 amu ও 1.008665 amu.

1 amu ভরের সমতুল্য শক্তি

ভরশক্তি সমীকরণ হতে পাই-

$$E = mc^2$$
 $= (1.66 \times 10^{-27}) \times (3 \times 10^8)^2$
 $= 1.495 \times 10^{-10}$ J
 $= 933.3 \times 10^6$ eV
 $= 933$ MeV (প্রায়)
$$c = 3 \times 10^8$$
 m/s
$$E = ?$$

- इ. निष्या न नाअन स्थान गा ३ था नगाया निमा स्थी
- Q1. व्याटि क्रियादित्र चित्र यायस्याम च्य 0.1 × 10 31 14 : 2 र -
- Q3. 1.6×106 eV -211021/35- 31802- 3(MANYONA- 84- 203- 700)
- Q4. 12 amu खनन- जामा क्रिक क्रिक अर्थामा क्रिक विश्व क्रिक क्रि
- क्ष न्याद्य खार न्यार कर 1 (3)
- ©6. न्यवंशाव- विद्युष्ठ- माविक क्ष्रप्रम्यक्रमात हाशिमा प्रवेशवं क्ष्रप्रात्त विद्युष्ठ व्यवंशाव विद्युष्ठ व्यवंशाव विद्युष्ठ व्यवंशाव व्यवंशा
 - का न्यत्रिक क्याक्र- क्याक्र-
 - ब्म न्या निर्मात्र कथिए अग्रय अग्रय अग्रि ग्राही त्राही त्राही कार्य कार्या कार्या
 - कार्या न्याकार न्याक कार्या न्याका न्याका न्याका न्याका न्याका
 - न्याक क्षिप्रक अम्मान हर १० उद्या न्यान अम्मान व्यान व्यान

0. E. = (60) + (W.G.) _ SQ E= WG _ MB3 & 10 WM 2 -= -काप्याश्वाक- -क्ध- 0 काष्माश्व- (उसा - म्यायेकि W वट उक्षि-प्रकृ m. निम्म ह्या नियमि त्याम महन प लिया महिया। उद्भा न्यार्थमात्रीपट- न्यात्यार्थिय न्यान्यात्र ; m= m. 86 - ECOSTIFE MALOTTONO LIGHT - SULLOUNE 1/2 01×911 '80 DOE NOW OFF AND THE MENTER FEED MAIN 21 . P.D. ar mon = mon (1- 5) 41, mor = me-- my

9.1. in the mo

क्षेत्रमाअंच- अभिकंक- कि आर्क-

 $= \frac{(9.11 \times 10^{31}) \times (3 \times 10^{8})}{8.19 \times 10^{14} \text{ m.}} = 9.11 \times 10^{-31}.$

(coixe) & (coixell) = F. = 9 (ENA) (ENA)

m.

2,7 x10

m 2

Q3.

TI,
$$m = \frac{E}{c^{-}}$$

$$= \frac{2.56 \times 10^{10}}{(3 \times 10^{8})^{-}}$$

$$= 2.84 \times 10^{-30}$$
(A.S)

-अभाक्त्र- जिल कार्क. = 2×10 26 (3×1018) 2 m= 12 amu = (2 × 1.66 × 103) = 1.8×10 200 1.13 × 10 e V (m) 1.13 × 104 / 05. Cause _andid_ mys-ーカカー E たつ: -4UM me

च्याग्रहः E = 2E. me = 2moe ट -का क्षिश्य कर्व- क क्षा प्राय- क्या माराये क प 3 C -येक .wo प्रथम - केश्या प्रकृत प्राप्त काम - यह त कारा ना कार्या sta suggette - es - so sust.

की अंग यद्शाः त्याम चल्च चणक यवसात्र चारात्वा अभया वत्य। र्शिक 6 सिंग जिमाम क्या राजा र MKS - ABID 2213 - STON M ST DS T Kg mr 5-3 ने का निक्य के का निक्य का नि व्यथार्, क्षित्र कार्या राजार कार्या विकास समाय विश्व वर्ष कर्षा किए व्याद्य M. 11. [M W = 9H] : - त्रिश्चित्रभात्र- व्राध्याण P २ (यः - I wisher - Fig. Fig. 51-E. FS SKROL -23- - 242 [b] = WLLL. FPS MAJORS AMOIS - ANDE SCRET HP (House power) AND BENDY, वाक प्रशास FPS - वहार्व न्यान - त्याक करण के poundate (कार्याम) उक्तान - व्याप नवित - व्याप नक । मेर् देगकि - कागान - मामाजा

व्यथानाः १६० नाप्रिया चया न्याप्ति न्याप्ति वर्षेत्र स्रिक स्यालक न्यक्राम 1 कृष्ठे न्यान स्यान न्यक्रामक -38 granter MKS TO THE WITH THE DISTRICT ON THE SAM * विद्यारी (क्रेगरा ३ गिट्ट अय्तेराम जार्से - अर्थार्स ब्रिमन निरंपान काइमा । जार्गा निकामी कियम उमार - यात्रेजना अभावाय- व्यावका नाइ (अपता प b - व्यावकार्य- व्यावया। 1 HP = 746 W. धामुखार नमा गाम निष्ठ प्राक्षात नमा केलि

পাম্পের ক্ষমতা পরিমাপে কৃতকাজ নির্ণয়ের ক্ষেত্রে কুয়া বা চৌবাদ্দার কার্যকর গভীরতা নির্ণয়

কুয়া বা চৌবাষ্টা থালি করার ক্ষেত্রে কার্যকর গভীরতার বিষয়টি দুটি ধারণায় বিশ্লেষণ করা যায়—

- 1. গড় গভীরতা
- 2. ভরকেন্দ্রের সরণ

ধারণা ১: গড় গভীরতা

কুমার তরলকে যদি আমরা কতগুলো কণার সমষ্টি হিসেবে চিন্তা করি তবে ভিন্ন ভিন্ন ভরবিশিষ্ট প্রতিটি তরলের ফোঁটাকে কুমার গভীরতার সমান উদ্ভতায় উঠাতে হবে না। কারণ কুমায় অবস্থিত নিম্নতলে তরলের ফোটাকে কুমার গভীরতার সমান উদ্ভতায় উঠালেও এর উপরিতলের তরলের ফোটাকে পর্যায়ক্রমে কম গভীরতা পর্যন্ত উঠাতে হয়। কেননা, পুরো কুমায় অবস্থিত তরলের ফোঁটাগুলো ভিন্ন ভিন্ন গভীরতায় অবস্থান করে। এজন্য কুমা বা চৌবাদ্বা খালি করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা নেয়া হয়।

গড় গভীরতা, h° = (যতটুকু তরল অপসারিত হবে তার উপরিতলের গভীরতা + যতটুকু তরল অপসারিত হবে তার নিম্মতলের গভীরতা) / ২

অর্থাৎ কুয়ার গভীরতার h এবং পাম্পের কৃজকাজ নির্ণয়ে কার্যকর গভীরতা h^c হলে—

- পরিপূর্ণ কুয়ার সম্পূর্ণ তরল শুল্য করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা বা কার্যকর গভীরতা হবে,
 h^c = (0 + h)/2
 = h/2
- পরিপূর্ণ কুয়ার অর্ধেক তরল শুল্য করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা বা কার্যকর গভীরতা হবে,
 h^c = (0+ h/2) /2
 = h/4
- অর্ধপূর্ণ কুয়ার তরল শুল্য করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা বা কার্যকর গভীরতা হবে,
 h° = (h/2 + h)/2
 = 3h/4





- দুই তৃতীয়াংশ পূর্ণ কুয়ার তরল অর্ধেক শুল্য করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা বা কার্যকর গভীরতা হবে,
 h° = (h/3 + 2h/3) /2
 = h/2
- এক তৃতীয়াংশ পূর্ণ কুয়ার তরল শুল্য করার ক্ষেত্রে গড় গভীরতা বা কার্যকর গভীরতা হবে,
 h° = (2h/3 + h)/2
 = 5h/6

আমরা বলতে পারি একই যন্ত্র দ্বারা যেকোনো কুয়ার ক্ষেত্রে উপরের অর্ধেক থালি করতে যে সময় লাগে নিচের অর্ধেক থালি করতে তার থেকে বেশি সময় লাগে। কারণ, 2 ও 3 হতে (h/4) < (3h/4) অর্থাৎ গ্যালিলিওর পড়ন্ত বস্তুর ৩য়় সুত্রানুসারে (h∝t²) উপরের অংশ থালি করতে কম উচ্চতা থালি করতে হবে ফলে কম সময় লাগবে আর নিচের অংশ থালি করতে বেশি উচ্চতা থালি করতে হবে ফলে বেশি সময় লাগবে।

ধারণা ২: ভরকেন্দ্রের সরণ

একটি বস্তু যেভাবেই অবস্থান করুক না কেনো উহার সমস্ত ভর বস্তুটির যে বিন্দু দিয়ে ক্রিয়া করে তাকে ঐ বস্তুর ভরকেন্দ্র বলে। অর্থাৎ ভরকেন্দ্র হচ্ছে বস্তুর এমন একটি কেন্দ্রবিন্দু যার সাপেক্ষে বস্তুর সব ভর ভ্রামক শুন্য হবে। তথা বস্তুটিকে কতগুলো কণার সমষ্টি কল্পনা করে এর এমন একটি বিন্দু থাকবে যার উভ্যুপাশের বস্তুকণার ভর ও বিন্দুটি সাপেক্ষে এর দুরত্বের গুণফলের সমষ্টি পরষ্পর সমান হয়, তবে সেই বিন্দুটিকে বস্তুটির ভরকেন্দ্র বলে। ভরকেন্দ্র কে ভারকেন্দ্র বা অভিকর্ষজ কেন্দ্র বা ভারবেগ নামেও অভিহিত করা হয়।

বিভিন্ন আকৃতির বস্তুর ভরকেন্দ্র বস্তুর বিভিন্ন স্থানে হয়। সুষম বেলন বা সিলিন্ডার আকৃতির বস্তুর ভরকেন্দ্র এর জ্যামিতিক অক্ষের মধ্যবিন্দুতে হয়। কুয়ার তরলকে যদি আমরা সুষম সিলিন্ডার আকৃতির বস্তু হিসেবে ধরে নিই তবে তরলের ভরকেন্দ্রের সরণ'ই সম্পূর্ণ পানির সরণ বলে বিবেচিত হবে।

এক্ষেত্রে, সুষম সিলিনন্ডার আকৃতির তরলের ক্ষেত্রে এর ভরকেন্দ্রের সরণ গড় উচ্চতার সমান হবে।

সুষম সিলিনন্ডার আকৃতির তরলের ভরকেন্দ্রের সরণ বা কার্যকর উচ্চতা, h° = (অপসারণ যোগ্য তরলের উচ্চতা / 2) + তরল বিহীন উচ্চতা

পরিশিষ্ট:

কোনো যন্ত্র দ্বারা কুয়ার তরল শুন্য করার ক্ষেত্রে যন্ত্রের কৃতকাজ, W = mgh^c এথানে,

m = কুয়ার যতটুকু আয়তনের পানিশুন্য করতে হবে ততটুকু আয়তনের পানির ভর। g = অভিকর্ষজ ত্বরণ

h° = কার্যকর উচ্চতা বা ভরকেন্দ্রের সরণ।



The sunday of the second of th उस्क्रीष्ट । त्यान गल्यन नार्यकत् नार्यकत् नार्य नार्य नार्य माअय- अर्माण्य कर्म प्रक्रा न्त्रा (श) त्यान मास्त्र नामकत् ग्रामण त्रवण त्यार न्यम अभागात्रा न्द्रान्त्र क्या प्राप्त न्या * विशास म न म (र्यटी) मात्रा म्यकात्रा कत्रा स्था न्यम्भका मिट् -रामकाशुर्न- व्यथाय- कार्यकाक डक्कराउ- -प्रंय- व्यथ डिक उ आधा लिंद । -कन्नमुश्रेबिक नाह्यादेतव प्रिक्ष्यां - विद्याव - विद्या विद्या क्रममञ्ज्ञात्र न्त्रियामाना खात रिक्कित त्यार प्रमाउ आकि Einput त्रवर सेकित रख नाल-लाप नाका नामा नामा नामा

TI, 100% = Fout x 100%. [nemw] = 100%] Eoutput = Einput. TOUT TOUT THE TOUTH THE PERTINE व्याने व्याप मार्थेय - व्याम्श्रिक्षका ग्रीम १००० क्रेम कर्त मर्बाह् किट मामार क्षाप्र - हथाएन - अंच - अंच - न्याप्त न्याप्त न्याप्त 1 Trop - 10 88 1 160-क्षेत्रावेत्रका मार्च निवं - यात्रायाका - यत १०० ते व्यत् विक (1) (1) [1] (T.) [6 गर्रादेख जार नियं नियं नियं ने नियं ने नाम नियं नामिन नामिन नामिन नामिन - FILL OF THE TOTAL व्य । एथर्ए कर्ममञ्जू = लिए - कार्यकत्र नाक राज्य । (1) 可压的证价是是持分别可以 ज्यावाद्र, त्यला कार्यक्व वर्गाक = छम्य अर्थिक -1 0 0 1 3 a bust E-E × 100%

- खातूरा भाषा (व

- वर्गित क्रिक्ट = - निवार निवार क्रिक्ट - क्रिक - क्रिक्ट - क्रिक्ट - क्रिक्ट - क्रिक्ट - क्रिक्ट - क्रिक्ट - क्रिक - क्रिक

न्यायाने, पार्की-कार्यक्ते- श्रम्बा = स्रमेन-श्रम्बा- लायहर्षेक स्रम्भा-

(1) 20 50 -wat.

कर्माग्राज = निमंत्र ग्रिम्बा — खानहरूक्त ग्रेम्या × 100% — (ग)

अभाग १, अथा (ग) थं ठार्था । । प्रतः क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

Thingson $\eta = \frac{\rho - \rho'}{\rho} \times 100 \text{ A/o}$ $\frac{\rho}{\rho} = \frac{\rho}{\rho} - \frac{\rho'}{\rho} \times 100 \text{ A/o}$

: n = (1 - p) × 100 %

अ त्याप प्राप्तक - कर्मम्बर निर्म न

中华三、南京社区中战争。1910年11年12日 वर्दामें व र १६ व ः ण्य ने प्राप्त - न्याक काकि है। उद्य = गण क्षेत्र वाद्यान । TEMMA? Ex 1 = 1 = mv = 1000 = 1000 = Ex = 500 J. 71, V= 21k m = 5 kg. (1) M. W. F. JOSEKOCHOTALE TOCK STILL TOKETHER. V = 2 × 500 THE TOTAL TOWNE THE TOTAL THOSE TOTAL · = 14.142 mst यक्षित् - खेन व व उला ने ने ने de 001 - (9. 14142 (ms 12 711) मात्राक्षा वस्त्र- न्याक्राम ह इका × 1.4142

থ্রএকই সুতা দ্বার যুক্ত থাকায় 10 kg ভরের বস্তুটি যে ত্বরণে নিচে নামবে একই ত্বরণে 5 kg ভরের বস্তুটি উপরে উঠবে। এদের ত্বরণ a হলে—

আবার, উভয়ের আদিবেগ ও ত্বরণ একই হওয়ায় তাদের গতিবেগ একই হবে। সুতরাং উভয়ের বেগ v হলে,

$$\sqrt{3} = 4^{3} + 2as$$
.

 $\sqrt{3} = 4^{3} + 2as$.

81 forma maso:

कामुके भाष्य कारक भाष्यका भाष्य भाष्य कार्यमार्थ कार्यम् कार्य कार्यक भाष्यका भाष्य कार्यमार्थक कार्य

m1gh-m2gh= = = (m1+m2) V

= 29h (m1-m2) = (m1+m2) V2

 $\Rightarrow \sqrt{2} = \sqrt{\frac{23h(m_1 - m_2)}{4m_1 + m_2}}$

 $\Rightarrow V = \sqrt{\frac{2 \times 9.8 \times 1(10 - 5)}{10 + 5}}$

·. v = 2.56 m31

(Ans)

120MI. M1=10 Kg M2=5 Kg g=9.8 ms? h=1 m V=9

* वकीर 50 N एक्सिक क्युटिक 5 m उक्किकार दिशालाक दाना अमि टेक्पािक ट्यारिक ठड्ठ याक मिन या और 65 ने जिंदि कार्य युवराव कार्य। 1- GLIPE 2 102

क्रि त्यारिक अर्वेश कार्याव के कार्याव अव र क्लि ट्योटिएक कर्यपुत्रक कठा

তিত্ব : লভ্য কার্যকর শক্তি E হলে, সঞ্জানে , F = 10 N

= 10 × 5

অপচয়কৃত শক্তি = প্রদত্ত শক্তি – লভ্য কার্যকর শক্তি

> = 65 - 50= 15 J(Ans.)

= 65 क्रमक्ष्केष्ठ क्रम्बे = न क्या देखरः कामरा क्रामिन

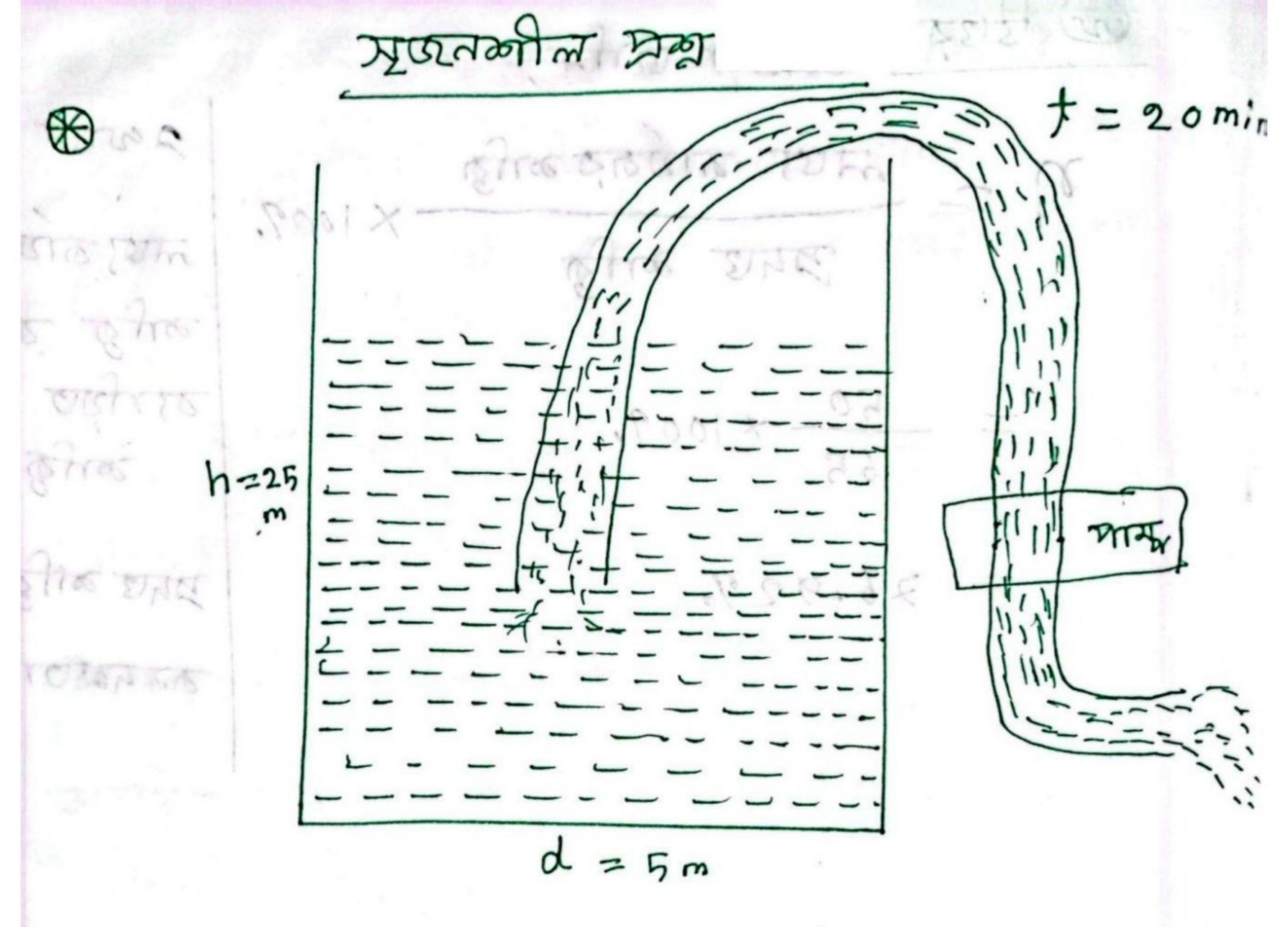
भ = लाउ कार्यक कार्यक × 100%.

= 50 65 7 1007.

= 76.929,

अध्यात. निष्ठ कांग्रक कार्यिक कार्यिक = 50 ने

क्रम्बर्ग न = 650



कि कमप्रकाल कि?

(क) काला याद्ध कमिन्नका 30%, ठलाउ कि व्रूक?

कि अर्वकार मार्थि कार्य प्रमान करें।

क्री निक्तित, प्रमुधिक अप्रमण कर h.p रह

मुख्यक्षीन मक्री

अभूद केंग्रेच अध्य अध्य अध्य केंग्रिक केंग्रिट अभूद अध्यक्षक आजाता ह समुख्य केंग्रिट अभूष्ट केंग्रेच कांग्रिक केंग्रिट

(क) उठ्याक क्यांक व्यान ।

रिक्य रक्ताता प्रायुक्त कार्याद्वरका २०१. जनाक कि दुका

(ज) दिक्तिनाव साम्यक क्षेत्रका या न

मुख्यानक्तीन मळा

अ 40 kg एएकं त्रकी ठानक २०० 60 kg एएकं २कर्प युक्त वर्षे छान वर्षे हिल्ला वर्षे वर्

1. 1 h.P = 346 work

कि क्रिक्ट कि ?

(02) 50 j mos smoo for gar?

क्रि युग्राम् जिल्लीक निम्न जर्ग

कात दिशेष कात प्रताह अप्रमण अमान किल किना - भागिष्ठिक युद्धिमर यातारे कठा

$$m = 60 \text{ kg}$$

$$V = 30 \text{ m/min}$$

$$= 0.5 \text{ ms}^{-1}$$

EK = ?

$$P_{1} = \frac{1}{2} \frac{w_{1}v_{0}^{2}}{+ w_{1}v_{0}^{2}} = \frac{1}{2} \frac{m_{1}v_{0}^{2}}{+ w_{0}^{2}} - 0$$

$$P_{2} = \frac{W}{\pm 2}$$

$$= \frac{EK}{\pm 2}$$

$$= \frac{1}{2} m_{1} v^{2} \qquad (i)$$

serra,

w = EK

EK = = 1 m22

t, = t2 = t

समीकवा कि कि कि कि कि विका DI TOTALCOT : TS TITT

$$\Rightarrow \frac{P_2}{P_1} = \frac{m_2}{m_1}$$

$$\frac{1}{m_1} \sqrt{2}$$

$$\frac{1}{20.0} \times 3 = 0$$

कार्य कार्य

कि देखकं: ज्यामग कानि, कार्कि = W W = FX

>w = 5x0.05

i. W = 0 1 25 j

F = 5N Y = 5cm = 0.05 m

क्टि हिख्य: कामका किर्नि,

→ P = - 125 → P = - 0.5

. P = 0.5 W

2 conta, $w = 0.25 \hat{j}$ t = 0.55 p = 7

* ১৯ ছি জ্মি তিন্তা সমস্ক কিছা ছাত্ৰ সমস্ক সমতন তেলে ৪০০ ল বিত্ৰত একং সাওে হাত্ৰ সমস্ক সমস্ক হৈ হাত্ৰত একং সাও হাত্ৰত সমস্ক সামি হাত্ৰত মান্তির সামিত মান্তিরে প্রমে বিলেশ্বির হাত্রত । কিছা ছাত্রত কারি সামিত কত কিছে কর্মক সমস্কিত আছে । আছে । আছে । আছি সামিত কত কিছে কর্মক সমস্কিত আছে । ছিল্লা কিছে কর্মক সমস্কিত আছে । আছি । আছি

C SOTT TEN S

व्यामग जानि

Ep = mgh= $2 \times 10^8 \times 0.8 \times 550$ = $1'0 \times 8 \times 10^{12} \text{ j}$ $9 = 9.8 \text{ m}^{2}$ $m = 9.8 \text{ m}^{2}$ $m = 2 \times 10^{8} \text{ kg}$ m = 7

Ж 40 кд एएक क्रक ठालक मिए किए 1252 कार्य दिवेल । मिएए जीएक मण्डा 20 रि 200 मिलि जिएक दिख्या 20 cm 1

कि ये जामाक्त एकत कण्

क्या कार्यक्री क्या क्या कार्याया

कार्य छिए ए का कार्य कार्य ?

कारण कामन रेपीए देशक कामन के

कि देखकः जामाकन एउतान,

W = m.g= $40 \times 9.8 \text{ N}$ = 392 N $9 = 9.8 \text{ m/s}^2$ W = ?

(क्र) दुख्य : विस्ति । विस्ति

Suche mensu 50 1 H SIMO 8601 20 CM

cant 800 h = 20x 20 cm = 400 em 200 1

= 4 m

ं अध्ययम त्यार तथा मिल किलाके क्यारकाड्य प्रविश्व

· POS JUM DOC DELLIA. क्रिकेट कामग्र क्रान्त, निकात,

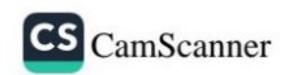
W = 40 x9,8x4

1. W=1568 J

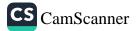
TOTCH 3000 N 1568

.. P = 130' 66 watt

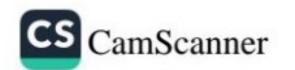
* 2 KB RB BLOD DALE DA 200 BE CONTO उकित 10 cm द्वा भएता लाक्कित अप अिल्लिक यमा किन् न ने व्यायां क्रिन भागमान व्याप क्रिक्निक = अिक्सिक वालक विद्वार वाल ं सिर्धिय अपने क्रिकेट्र अपने = Fx0.1 - (i) N. 2. T. -2 उक्षण :. Det 5 200 = = 12499 N ... 575 3160



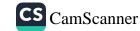




यम, प्रवंत २०० व्यावाः स्विक्रम्य । यन् कार्यलाक देलक व्या मिर्गाय त ज्ञा । काराप्त क्य स्विधियक क्याय क्रिक क्रिक्य । यात्र विष्य अस्विविवि sypanize = = mns sas sy stations was अधिकार्कि = 12 mv3, 2(अद्भाक्त कृष्ठ काला द्वार अधिकाश्चित्व अर्थित अर्थान । softes one







 $\frac{2}{2}mv^2 = \frac{1}{2}mv^2 + FS$ 2 1 mv2 - 1 m v2 = FS - (in) COURSENS NOT WINE (i) 13 (ii) -2100 m/z, - ON SUNTY MED MED IN THIS E SVENWARE MES SUM & STREETHE यान स्वार क्रिस्टियाल्य मार्ड यम विराधिता या अवन्य क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक W= FSCOS O







कालरीत ठम: काल मन ठमुं प्रमान वित्र कालरीत ठम ठा ठमार्डिंग कार व्यक्तिय प्रमाण वित्र प्रमाण वित

े खाता क्यूर प्रमितिक द्युंगल यात कार्य क्र



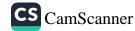




व कार्डिक वस कार्क कार्व कर Engoneral Du Pols sucas Estato 1 कालिक व्यान प्राम् क्राया, MENS may Thom The DIE DE The was well as 1. [w x h] / mg = \frac{200}{7} " DING DENNING TELLS







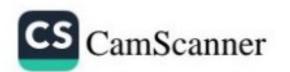
अविकार्कि, एकारा, अयाजा, राभ नाम नाम मार्थः

is is a

descente

$$E_{12} = \frac{p^2}{2m} = pt = pv$$

काज-कार्क -डिजमार्गड त्यापा निर्मेत द्वां के कियावक पाकि वया प्रदेष कित कार्य कार्क अख्यादिक अर्विक्ट्रक प्रथम। यात कोर ल एकिकिकों अर्थाट के ए कामिर्गा जनाम । जिल्ल निर्मिष्टे यात्न अमि 2000 ste ma 1 ma क्रिय कर्मि अपिक प्रमुक् Course



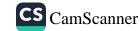




यम कर्ष मिष्ठ क्षण्य, $\Delta = \frac{F}{m} = \frac{v^2 - v^2}{25}$ \(\frac{1}{1} \vert v^2 = \vert v^2 + 2as\) $\frac{1}{1} = m \left(\frac{v^2 - v^2}{25} \right) - \frac{1}{25}$ (i) 200 m2, $W = M\left(\frac{\sqrt{2-U^2}}{25}\right) S$ 3 W E - 1 7275 0125 8 3 A 2 mv2 - 2 mus = कार्कि नाहि = कार्क अविकारिय - कार्य अविकारिक







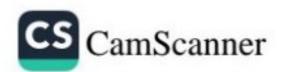
व व्यक्ति वर्षायक व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति asia due 1 shua con 3 shu sai उत्न अव्ये भेविके यकिए विस vois mace ,) निक्का एक प्रकार्ष EK = 2 mv2 - Opproprie Distriction area style se monte Ex = 1 m v/2 1/2 mv/2 1/2 mv2 EK





CS CamScanner

क्षे अस्ति कामक ए अस्ति अस्ति क्राक्रामा क्य क्रीक्षण । म्यामिक कार्डिक कर (नामिटिक जानिकारिक अखिकारिक । त्यायमि यसि अप रकर 1 mi 1 रिष्ठ करवन करव काव आविकारि न्यान क्रामित्या स्थाप कर् spracy see begge mas areas







som moitrion ac

-1 1 m1 U1 2 = m1 U1 2 m1

WILLS SELL (TIMES

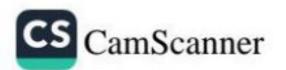
E- 108 11010 - 78 1871 8 17257

= m1 V12 = m1 (U2+1) 2 (ii) > 20002-

2 - (U2+1) 2 U12 = 4

56 southus " 22 mar"

(AM)







একটি ভারী বস্তু ও একটি হালকা বস্তুর ভরবেগে সমান হলে, কোনটির গতিশক্তি বেশি হবে?

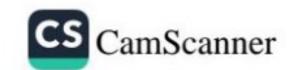
The state of the sea of
$$P_{i}$$
 and P_{i} and P_{i

Exp =
$$\frac{P_2}{2m}$$
.

$$\frac{E_{k1}}{E_{k2}} = \frac{p_{i}^{2}}{2m} \times \frac{2m}{p_{i}^{2}}$$

$$\frac{E_{k1}}{E_{k2}} = \frac{p_{i}^{2}}{2m} \times \frac{2m}{p_{i}^{2}}$$

$$E_{k_2}$$
 $2m \times \frac{1}{pz}$







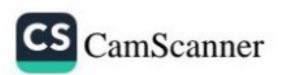
क न्या नामका क्यू नामका नामक नामक ठमुठ जिल्लीक प्रभात । रकातीर्व एक्टिन Cotor ? TOWN THEFT IS IN THE ST) यत करिं कार्य किया परंग प्राप्त भारत है। NT 200 SWAL . CA W BOLL NO क्रिक प्रका क्ष्य मिक हिंदी EK1 = 1 MV12 यानका यमुक जिल्लाकि, EKA = FK2

현기지(0), $E_{KA} = F_{K2}$ $\frac{1}{2}Mv_1^2 = \frac{1}{2}mv_2^2$ $\frac{P_1^2}{2M} = \frac{P_2^2}{2M}$

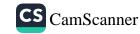
 $\frac{P_1}{P_2} = \sqrt{\frac{M}{m}}$

: 1 5m = P2 VM

W कारअवर W कद उट्ट क्षेत्र कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य







Q 50 N उत्पान अभीट अप्रुट जरवराव कन्

अमेख कार्किक अर्थिकार अर्थ न

Je Jesular attornelle sources observed

কার্যকর শক্তি = কাজ

$$= FS$$

$$= wh$$

$$= 50 \times 6$$

$$= 3005$$

DOMA, F=W=50 No S=h=6 m

প্রদত্ত শক্তি = কার্যকর শক্তি + অপচয়কৃত শক্তি = (300 + 70) J = 370 J

(Ans)

Q 2 Kg 0000 20th 00 4- 700 15 ल उन्नाह जारह । नित्र टाल किल कि ह- मुमोरक 10 mg1 Cour काठाठ काव 1 अवस्तरं अयम विश्विकारि यह अर्डिह द्यक विषेत्रक क्राह्म क्राह्म 13 DAW DU DO SOU! क्रिक्टिक क्रिक्टिक न क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टि । क्रिक्टिक क्रिक क्रिक्टिक क्रिक क्रि mgh = Fh + 1 mv2 > Fh = mgh - 1 mv200 m: - SENSELL 2 × 9,8 × 15 - \frac{1}{2} × 2×102







THINKS TOTAL अध्यक्त, जम उर्वायव अधित अवस्थ :

यत करिं, एकार्ता मुद्दे डिपड़ F येन यापि क्यूरि स्रमुक कलक किरिक्सल्य 5 में काष मार्क मार्क ने कार्क मार्क मार्क मार्क

JINEC C. B. 1

$$P = \frac{w}{t}$$

$$= \frac{FS}{t} \quad [v = \frac{S}{t}]$$

$$P = FV \quad [i)$$

अपूर्व प्रवेश अलाव कारियुष्ट मार्क व्याल क्रियाक्षील

च्या जरम, अभाजा,

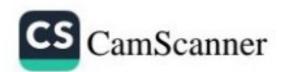
P = F V COSO

उन् स्थायक विष्ट त्रिक्य स्थायक माराम

$$P = \overrightarrow{F}.\overrightarrow{v}$$

Q 3430 W अव्या अवस्त अविर करिए क्रिक mat 200 2000 2000 2000 द्रक्षणम् कार्त द्रशातम् च्या करिक पत्राण १०१, यस अणि किनिट गण किलाभ्य क्रान उत्ने J course some some and - we saw = source > source P = 32430 W => mgh nPt 100 0.9 x 3430 x 60 9,8 17,20 26.25 kg

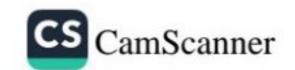
Ans







व वर्ती क्या त्यक चिन्त्रत्व प्रायाण अणि मितिर 1000 kg माति 10 m जाद दिक्कणण दिर्भाता च्या गर्म दिन्द्रतीरिक अयाजा 40%, यम उमें काउल एक कार्येश्वाका प्रमुख परं 1 50 TICK TOTALE FORDS OFFINE → 3/13/160 2000 n = (100-40) 1,=609. = 0.6 क्यायण उत्पान w = 1000 60 40,6 2,72 × 103 W







o sign sugar son s sur DUTERT 10 m 13 4 m. 2000 mater 20 min 2 क्रांपिट्रक क्रान्त क्रांप क्रांप क्रांप न्यां क्षेत्रक क्षेत्रका स्वर्ध यह १ TOTALE DITTELLE

100 - WO! Ly some

$$P = \frac{mgh}{\pm}$$

$$= \frac{evgh}{\pm}$$

$$= \frac{\pi n^{2} + pgh}{\pm}$$

$$= \frac{3.14 + 2^{2} + 10^{3} + 9.8 + 5}{1200}$$

$$= \frac{5128.67}{746}$$

$$= \frac{5128.67}{746}$$

$$= \frac{6.87}{746}$$





